संताल एक्सप्रेस ई-पेपर व दैनिक ताजा खबर
www.santalexpress.com पर पढ़ें

02 फरवरी 2026, सोमवार

पृष्ठ-08, मूल्य : 2 रुपये

दुमका, वर्ष- 08, अंक - 127

Email-santalexpress20@gmail.com

संताल परगना की आवाज

संताल एक्सप्रेस

झारखंड के तापमान में तीन से चार डिग्री वृद्धि की संभावना

रांची। झारखंड में ठंड का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है और आने वाले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने रविवार को दी। अभिषेक आनंद ने बताया कि इस माह राज्य भर में मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। फिलहाल राज्य के कई जिलों में दिन के समय आंशिक बादल छाए रहेंगे।

इस बार गुरुजी के बिना मनेगा 47वां झारखंड दिवस

दुमका में झामुमो का महाजुटान : गांधी मैदान से गूंजेगी जल-जंगल-जमीन की हुंकार

झामुमो के गढ़ दुमका में आज शक्ति प्रदर्शन, गुरुजी की विरासत और 1.36 लाख करोड़ के हक की होगी मांग

झामुमो के 47वें झारखंड दिवस की तैयारी पूरी गांधी मैदान बनेगा भव्य समारोह का साक्षी

एस.के. झा.सुमन

दुमका। झारखंड मुक्ति मोर्चा आज सोमवार, 2 फरवरी को अपने 47वें झारखंड दिवस के अवसर पर उपराजधानी दुमका के ऐतिहासिक गांधी मैदान में अपनी ताकत का अहसास कराएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में आयोजित होने वाला यह समारोह इस बार कई मायनों में अलग और भावुक है, क्योंकि पार्टी अपने संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद पहली बार उनके बिना यह स्थापना दिवस मना रही है।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर दुमका विधायक बसंत सोरेन ने खुद कमान संभाल रखी है। पूरे शहर को झंडे, बैनरों और भव्य तोरण द्वारों से पाट दिया गया है, जिससे शहर का कोना-कोना झामुमो के रंग में रंगा नजर आ रहा है।

गांधी मैदान में एक विशाल मंच तैयार किया गया है, जहां से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जनता और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। उनके साथ मंच पर कल्पना सोरेन समेत राज्य के कई मंत्री, सांसद और विधायक मौजूद रहेंगे। राजनीतिक गलियारों में इस बार के संबोधन पर सबकी नजरें टिकी हैं। संभावना जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री इस मंच से केंद्र सरकार के पास लंबित राज्य के 1.36 लाख करोड़ रुपये के बकाये, यूजीसी के नए नियमों और एसआईआर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्र को घेर सकते हैं। संथाल परगना के सभी छह जिलों दुमका, साहिबगंज, जामताड़ा, देवघर, गोड्डा और पाकुड़ से हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं का जुटना शुरू हो गया है। कार्यक्रम की शुरुआत शाम को झंडोत्तोलन के साथ होगी, जो देर रात तक एक पारंपरिक और राजनीतिक उत्सव के रूप में जारी रहेगा।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के 47 वें झारखंड दिवस को लेकर पूरी उपराजधानी पार्टी के होर्डिंग, झंडे और पताकों से सज गयी है। सोमवार को दोपहर बाद अपराहन दो बजे एसपी कालेज से रैली निकाली जायेगी, जो सिदो कान्हू पोखरा चौक, टीन बाजार, मेन रोड होते हुए गांधी मैदान पहुंचेगी।सभा को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा पार्टी के कई नेता संबोधित करेंगे। गांधी मैदान में मंच को इस बार बड़ा आकर दिया गया है। मुख्य मंच के बगल में एक और मंच बनाया गया है।गांधी मैदान में देर शाम सभा की शुरूआत परंपरा के मुताबिक शहीदों को श्रद्धांजलि देने और पार्टी के ध्वज फहराने से होगी। मध्य रात्रि के बाद तक यह आयोजन चलता रहता है। आयोजन के बावत पूरे रास्ते में विद्युत सजावट की गयी है।इस बार गुरूजी स्व शिबू सोरेन के जगह-जगह कट आउट लगाये गये हैं। मुख्यमंत्री सहित अन्य वीआइपी के आगमन को देखते हुए डीसी अभिजीत सिन्हा, एसपी पीतांबर सिंह खेरवार तमाम अधिकारियों के साथ सुरक्षा सहित विधि- व्यवस्था का जायजा लेने गांधी मैदान पहुंचे और आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

असम रेन आदिवासी सोमाजाक् सुक-दुक रे झारखंड दो़ मित् गे तालाव तेंगोवाकाने ताहेंना : सिरा़मंत्री हेमंत

खोबोरिया

असम। सिरा़मंत्री हेमंत सोरेन दो़ तेहेञ असम रेयाक् तिनुसुकिया जिला रे ऑल आदिवासी स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ आसाम होतेते ओरामेन 21वीं आदिवासी महासभा 2026 रे काथा दो़होय तुलुच्ए मेन केदा जे नों़डेआपे जो़तो़ आदिवासी समुदाय रेन हो़ड़ जाहांय दो़ मोटामुटी डेढ़ सौ बो़छो़र खो़न नों़डेपे ताहेंनो़क् काना, ओनको सोंगे ञेपेलो़क् रेयाक् ओ़पसो़र तेहेञिञ ञाम आकादा। सिरा़मंत्री दो़य मेन केदा जे झारखंड रेन ओ़कानको जो़तो़ आदिवासी-मूलवासी गातांक रेन हो़ड़ जाहांय दो़ असम रे आपनार जियोनको खेमावेत् काना, ओनकोवाक्मुसकिलाक्, ओनको उपा़र रे होयो़क्कान न्हाचार आर दुक आंजो़म लागित् इञ दो़ तेहेञ नों़डेञ हेच् आकाना। आबो दो़ झारखंड खो़नबोन आकाना, कहीं न कहीं आपे जो़तो़ हो़ड़ाक् सागाई हों़झारखंड सोंगे मेनाक् आकात् तापेया। झारखंड दो़ ओनकान पो़नो़त काना तिन दो़ दिसा़म रेन हो़ड़ फुरगालो़क् रेयाक् कुकमु हों़बाको ञेल आकात् ताहेंकाना, उन ओ़कते सा़धिन लाड़हाई दो़ आबो़रेन हापड़ाम अंग्रेजको सालाक् तेको लाड़हायो़क्कान ताहेंकाना। दिसा़म सा़धिन ओचोय रे धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, तिलका मां़झी सांवते झारखंड रे आलेखाहूलगा़रिया़कोवाक् तेंगेन गे ताहेंकाना, ओका दो़ तिस हों़ बाडञोनहिड़िञ दाड़ेयाक् आ। सिरा़मंत्री दो़य मेन केदा जे आबो़ रेन हूलगा़रिया़ दो़ आपनार पीढ़ी बांचाव, जल, जंगल, जमीन बांचाव लागित्आकोवाक् जिवीको आलाय केदा। आदिवासी सोमाज रेन हो़ड़ गे अंग्रेजको सों़गे जो़तो़ खो़न लाहा रे लाड़हायो़क् रेयाक्को का़मीयाकादा।आखिर चेत् काखान ते तेहेञ दिसा़म रेयाक् जुदा़-जुदा़ टोठा रे आदिवासी सोमाज रेन हो़ड़ आपनार हो़क-आईदा़री लागित्कोलाड़हायो़क् काना। सिरा़मंत्री दो़य मेन केदा जे आदिवासी, मूलवासी,दलित, पिछड़ा वर्ग दो़ ओनकान गातांक कानाको जाहांय दो़ सोमाज रेनकोमजो़र आर लातार धाप रेन ताहेंनो़क् हो़ड़ कानाको। ओनकान चेत् ओ़बो़सता हेच् एना जे नों़डेनको आदिवासी-मूलवासी छिती-बितीक्लागित्को न्हाचारेना।

सिरा़मंत्री हेमंत सोरेन दो़य मेन केदा जे दिसा़म सा़धिन काते 75 बो़छो़र होय एना। दिसा़म रे आयमा लेकानाक् कानूनको बेनावेना। दिसा़म रेयाक् संविधान ते आबो दो़ बांचाक् डाहारबोन ञाम केदा, एनकाते रे हों़ आबो दो़ तेहेञ ओका रे मेनाक्बोना। तेहेञ आबोवाक् सोमाज तिना़क्ए संघर्षए्त् काना, नोआ दो़ आपे आड़ी मों़ज तेपे बाडाय गेया। तेहेञ सोमाज लेकाते, काड़डी ते आर हुदिस-बुंदिस तेआदिसावी गातांक दो़बोन कोमजोर गेया आर नोआ कोमजोरी रेयाक् पो़रहो़ दो़ गाखुड़ हुदिसान हो़ड़ आड़ी हुसिया़र तेको हातावेत् काना। सिरा़मंत्री दो़य मेन केदा जे मानोतान दिसोम गुरु शिबू सोरेनदो़ तेहेञ आबो ताला रे बा़नुया, तिन दो़ उनी आलाग पो़नो़त लागित्एहुदिस केदा खान थोड़ा हो़ड़ दो़ उनीको लान्दावायकान ताहेंकाना जेआदिवासी हो़ड़ आलाग पो़नो़तको बेनावा। तेहेञ सा़रीयाक् दो़ पुरा़उदिसा़म सामाड़ रे मेनाक्आ। साल 2000 रे आलाग झारखंड पो़नो़तबेनावेना। नोआ काथा दो़ सही गेया जे उन ओ़कते चेत् होहोकोरा़गावेत्कान ताहेंकाना, कैसे लेंगे झारखंड, लड़के लेंगे झारखंड। उन ओ़कते बाङ दो़ मोबाइल, बाङ दो़ गाड़ी, बाङ दो़ मोटर, एनकाते रे हों़ झारखंड रेन हो़ड़ दो़ जल, जंगल, जमीन बांचाव दो़होय लागित् मुच् लेकाको मित्जुटुक्कान ताहेंकाना। पो़नो़त बेगारेना मेनखान नित हागिच् ते नोआ रेयाक् पो़रहो़ दो़ आदिवासी गातांक बाको ञाम आकादा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया 53 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का बजट...

इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं, चुनावी राज्यों पर फोकस, मिडिल क्लास खाली हाथ

कैंसर की 17 दवाइयां कस्टम ड्यूटी फ्री, 3 आयुर्वेदिक एम्स, 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का बजट 2026 पेश कर दिया है। यह बजट आम आदमी, महिलाओं, किसानों और युवाओं पर फोकस बताया जा रहा है। इस बजट का कुल साइज 53.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस बजट में आम आदमी के लिए कई बड़े ऐलान किए गए हैं। 7 नए रेल कोरिडोर का ऐलान किया गया है। वहीं गंभीर बीमारियों की दवाओं को सस्ता कर दिया गया है। लेकिन इस बजट में अभी कई बड़े ऐलान नहीं किए गए हैं, जिसपर आम आदमी को उम्मीद थी कि ये बड़े ऐलान हो सकते हैं और उन्हें बड़ी राहत दी जा सकती है। पिछले बजट में नए इकनम टैक्स रिजीम के तहत आम टैक्सपेयर्स को 12 लाख रुपये तक की सालाना कमाई पर 0 टैक्स का ऐलान किया गया था, जिसकी लिमिट बढ़ाकर इस बार14 लाख रुपये तक किए जाने की उम्मीद थी, लेकिन सरकार ने इसमें कोई बदलाव नहीं किया है। नए टैक्स सिस्टम के तहत पीपीएफ, एनपीएस और ईएलएसएस जैसी योजनाओं में निवेश पर टैक्स छूट दिए जाने की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन सरकार ने इसमें कोई बदलाव नहीं किया है। यह सिर्फ पुराने टैक्स रिजीम के तहत ही छूट के योग्य होंगे। ओल्ड टैक्स रिजीम में इन योजना में निवेश पर इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट दी जाती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 85 मिनट बोलीं, लेकिन आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया। हालांकि टैक्स फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और आयुर्वेदिक एम्स जैसी नई बातें कही गई हैं। वित्त मंत्री के भाषण में कोई सीधा चुनावी ऐलान भी नहीं था।

क्या हुआ महंगा

तंबाकू उत्पाद और सिगरेट : बजट में सिगरेट और पान मसाला पर नई एक्साइज ड्यूटी और सिन टैक्स लगाने का प्रस्ताव है, जिससे ये उत्पाद महंगे हो गए हैं।

विदेशी शराब : आयातित शराब पर लगने वाले शुल्कों में वृद्धि की गई है।

आयातित लग्जरी वस्तुएं- विदेशी परफ्यूम, महंगे जूते, कपड़े और लग्जरी घड़ियों पर आयात शुल्क बढ़ने से ये महंगे हो सकते हैं।

सोना और चांदी : कीमती धातुओं पर आयात शुल्क में बदलाव के कारण घरेलू बाजार में इनके दाम बढ़ सकते हैं।

शेयर बाजार में निवेश : फ्यूचर्स और ऑप्शंस पर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स में भारी बढ़ोतरी की गई है, जिससे शेयर बाजार में ट्रेडिंग करना अब और महंगा हो जाएगा।

क्या हुआ सस्ता

दवाइयां : कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 17 दवाओं और दुर्लभ बीमारियों की 7 दवाओं को पूरी तरह से सीमा शुल्क मुक्त कर दिया गया है। व्यक्तिगत उपयोग के लिए आयातित दवाओं पर शुल्क 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है।

मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स : देश में बने स्मार्टफोन और टैबलेट सस्ते हो सकते हैं क्योंकि कैमरा मॉड्यूल और डिस्प्ले पैनल जैसे कंपोनेंट्स पर शुल्क घटाया गया है।

इलेक्ट्रिक वाहन : ईवी बैटरी और लिथियम-आयन बैटरी निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल (जैसे लिथियम, कोबाल्ट) पर सीमा शुल्क कम किया गया है।

जूते और कपड़े : चमड़े के जूते और कपड़ों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इनके कच्चे माल के आयात पर शुल्क घटाया गया है, जिससे घरेलू बाजार में भी इनकी कीमतों में राहत मिल सकती है।

खेल का सामान : खेलो इंडिया मिशन के तहत खेल उपकरणों को अधिक किफायती बनाया गया है।

विमान यात्रा : नागरिक विमानों के पुर्जों और रखरखाव के लिए कच्चे माल पर सीमा शुल्क में छूट दी गई है, जिससे लंबी अवधि में विमानन क्षेत्र की लागत कम हो सकती है।

सोलर और सीएनजी: सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा को बढावा देने के लिए सोलर सिस्टम पर लगने वाले टैक्स को कम किया है, इसके साथ ही सीएनजी भी सस्ती हो सकती है।

जल्द एटीएम से निकलेंगे 10, 20 और 50 के नोट

नई दिल्ली (एजेंसी) । इन दिनों बाजार में 10, 20 और 50 के नोटों की भारी कमी है। नोटबंदी के बाद से छोटे मूल्य के नोट एटीएम से नहीं निकलते हैं। रिजर्व बैंक भी छोटे नोटों को कम प्रिंट कर रही है। छोटे नोटों की आपूर्ति के लिए नए एटीएम लगाए जाएंगे। इस कमी को पूरा करने के लिए हाइब्रिड एटीएम लगाने का प्रस्ताव किया गया है। परीक्षण के तौर पर मुंबई में इसे लगाया गया है। जो सफलतापूर्वक काम कर रहा है। अब इसे देश भर के रेलवे स्टेशन, बाजार,अस्पताल और सरकारी कार्यालयों में लगाने का प्रस्ताव किया गया है। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद रिजर्व बैंक छोटे नोट को ज्यादा छापेगी। अभी बाजार में ?500 के 86 फ़ीसदी नोट चलन में है। 100 और ?200 के लगभग 1019 फ़ीसदी नोट चलन में है।छोटे नोट मात्र 311 फ़ीसदी प्रचलन में है। छोटे नोटों की हालत खराब है। छोटे नोटों और सिक्कों की कमी के कारण आए दिन विवाद की स्थिति बनती है।

झामुमो का स्थापना दिवस आज

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के बिना जेएमएम का मनेगा स्थापना दिवस

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) 54वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। पार्टी का स्थापना दिवस दो फरवरी को दुमका में मनाया जा रहा है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद यह पहला स्थापना दिवस है, जिसे उनके बिना मनाया जा रहा है। यह क्षण पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं के लिए अत्यंत भावुक क्षण है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नेतृत्व में जेएमएम ने आदिवासी अस्मिता, जल-जंगल-जमीन के अधिकार और सामाजिक न्याय के लिए लंबे संघर्ष के बाद राजनीति में एक मजबूत पहचान बनाई। आंदोलन से सत्ता के केंद्र तक का यह सफर जेएमएम को एक सशक्त क्षेत्रीय दल के रूप में स्थापित करता है। वर्तमान में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। उनके नेतृत्व में जेएमएम न केवल झारखंड में बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी तेजी से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है।

राष्ट्रीय स्तर पर आदिवासी विमर्श का हिस्सा बन रहा जेएमएम : सुदिव्य

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि दो फरवरी 1975 को दुमका में जब झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना हुई थी, तब शायद किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि संथाल परगना की धरती से उठी यह आवाज राष्ट्रीय स्तर पर आदिवासी विमर्श का अहम हिस्सा बनेगी।उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन की परिकल्पना और संघर्ष को नमन करते हुए यह स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। गुरुजी के निधन के एक साल के भीतर यह पहला अवसर है, जब पार्टी उनके बिना स्थापना दिवस मना रही है। जेएमएम अब राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

जेएमएम की नीतियों और नेतृत्व पर जनता का भरोसा बढ़ा : सुप्रियो

जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी की नीतियों और नेतृत्व पर जनता का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। विशेष रूप से संथाल परगना, कोल्हान और कोयलांचल क्षेत्रों में जेएमएम को लेकर लोगों में नई उम्मीद जगी है।उन्होंने कहा कि पार्टी गठन और राज्य आंदोलन के दौरान किए गए वादों को सत्ता में आने के बाद चरणबद्ध तरीके से पूरा किया गया है। यही कारण है कि जनता जेएमएम पर भरोसा कर रही है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि जेएमएम अब सिर्फ झारखंड तक सीमित क्षेत्रीय दल नहीं रह गई है, बल्कि देशभर में उसकी पहचान बनी है। पार्टी के विकास की तुलना जीवन के विभिन्न चरणों से करते हुए उन्होंने कहा कि अनुभव के साथ पार्टी और अधिक परिपक्व हुई है। वृहत झारखंड की अवधारणा के तहत छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, असम और पश्चिम बंगाल में भी संगठन को मजबूत किया जा रहा है।

जेएमएम देश की एक सशक्त राजनीतिक ताकत बनेगी : महुआ मांझी

राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ मांझी ने कहा कि जेएमएम लगातार एक सशक्त राजनीतिक दल के रूप में उभर रही है और आने वाले समय में यह पार्टी देश की राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में जेएमएम ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर यह साबित किया है कि पार्टी को जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त है। डॉ. मांझी ने कहा कि यह सफलता कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और जनता के विश्वास का परिणाम है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सपनों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 56 सीटें जीतकर दूसरी बार सरकार बनाना पार्टी की मजबूती का प्रमाण है। बड़ी संख्या में लोग जेएमएम से जुड़ रहे हैं और यह कारवां निरंतर आगे बढ़ रहा है।

अंधविश्वास के चलते परिवार के तीन लोगों की टांगी से हत्या

पलामू । झारखंड में पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के कुसड़ी गांव में रविवार तड़के करीब 4 बजे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की टांगी से हत्या कर दी गई, जबकि हमले में एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल 15 वर्षीय ममता कुमारी को प्राथमिक इलाज के बाद मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है।मृतकों की पहचान 45 वर्षीय विजय भुइंया, उनकी पत्नी 40 वर्षीय हेमंती देवी और पुत्र 25 वर्षीय छोटू कुमार के रूप में हुई है। मृतकों पर हमला उनके ही पड़ोसी और सगे भाई रविंद्र भुइयां और प्रमोद भुइयां ने किया। दोनों आरोपित घटना के बाद से फरार हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार सुबह करीब तीन बजे आरोपित रविंद्र और प्रमोद के पिता 65 वर्षीय महेशी भुइयां का निधन हुआ।

मजबूत इरादों के साथ हर कर्तव्य को पूरा करने वाला है बजट : संजय सेठ

संताल एक्सप्रेस

रांची। रांची के सांसद एवं रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने केंद्रीय बजट को वायदों का नहीं, बल्कि कर्तव्य और मजबूत इरादों का बजट बताते हुए कहा कि यह बजट देश की जनता के प्रति सरकार के प्रत्येक दायित्व को पूरा करने का संकल्प दर्शाता है।बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संजय सेठ ने रविवार को कहा कि इसमें हर क्षेत्र, हर वर्ग और हर नागरिक को सशक्त बनाने का स्पष्ट दृष्टिकोण है। यह केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रोत्साहन और सहयोग देने वाला विजन प्रस्तुत करता है, जो नागरिकों को हर कदम पर आगे बढ़ने में सहायता करेगा।रक्षा राज्य मंत्री ने रांची में निमहंस-2 की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान राष्ट्रीय स्तर का मनोचिकित्सा केंद्र होगा, जहां आधुनिक उपचार एवं शोध की व्यापक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में रांची को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान की सौगात मिलना झारखंडवासियों के लिए गौरव का विषय है।संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री विरासत और विकास को साथ लेकर आगे बढ़ने का मार्गदर्शन देते हैं, जिसकी स्पष्ट झलक इस बजट में देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि यह बजट विनिर्माण से लेकर बुनियादी ढांचे तक, खेल से लेकर तीर्थों तक-हर क्षेत्र को समाहित करते हुए विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करता है। यह बजट गांव, कस्बे और शहर के युवाओं, महिलाओं और किसानों के सपनों को नई ऊर्जा देने वाला है।उन्होंने कहा कि बजट में गांव से शहर तक, राजमार्ग से समुद्र तक, शिक्षा से स्वास्थ्य तक सभी क्षेत्रों का संतुलित समन्वय किया गया है।

रांची में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो-साइंसेज की होगी स्थापना

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में की घोषणा

संताल एक्सप्रेस

रांची । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो-साइंसेज (निमहांस-2) की स्थापना की घोषणा की है। इसके लिए झारखंड की राजधानी रांची और असम के तेजपुर को चुना गया है। इस निर्णय से पूर्वी और उत्तर-पूर्व भारत में मानसिक स्वास्थ्य उपचार, शिक्षा और शोध को नई दिशा मिलने की उ मीद है। देश में मानसिक रोगों के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिसे देखते हुए क्षेत्रीय स्तर पर बड़े और विशेषज्ञ संस्थानों की आवश्यकता है। इसी क्रम में रांची को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो-साइंसेज-2 के लिए उपयुक्त स्थान माना गया है, क्योंकि यह शहर पहले से ही मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का एक प्रमुख केंद्र रहा है। ज्ञात हो कि रांची में सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ साइकियाट्री (सीआइपी) और रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो-साइकियाट्री एंड एलाइड साइंसेज (रिनपास) जैसे दो प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक संस्थान मौजूद हैं। कांके क्षेत्र में स्थित ये दोनों संस्थान देशभर से आने वाले मानसिक रोगियों का इलाज करते हैं और शोध व प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो-साइंसेज -2 की स्थापना से न केवल झारखंड बल्कि पूरे पूर्वी भारत को उन्नत मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। इससे इलाज के साथ-साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों का प्रशिक्षण, आधुनिक शोध और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा मिलेगा।

खादगढ़ा बस स्टैंड में लगी भीषण आग, छह बस जलकर राख

रांची। खादगढ़ा बस स्टैंड के बसों में रविवार को अचानक आग लग गई। इस अगलगी में छह बसें जलकर राख हो गईं। घटना में सबसे पहले एक बस में आग लगी इसके बाद आग एक के बाद एक बस में फैलते चली गई।स्थानीय लोग और बस मालिक कुछ समझ पाते तब तक उन्होंने देखा कि कुछ ही दूर पर खड़ी बाकी बसें भी आग की चपेट में आ गईं। एक साथ छह बसों में आग लगने की वजह से पूरे खादगढ़ा बस स्टैंड में भगदड़ मच गई। बस के चालक और खलासी अपनी -अपनी बसों को लेकर इधर-उधर भागने लगे। किसी तरह से आग लगने वाली बसों के पास खड़ी दूसरी बसों को वहां से निकाला गया।एक साथ छह बसों में आग लगने की घटना को एक बड़ी साजिश के रूप में देखा जा रहा है। बस एजेंट मोहम्मद सरफराज ने बताया कि भारी नुकसान हुआ है। बस मालिको को ऐसा लगता है कि किसी ने जानबूझकर बसों को आग के हवाले किया है।

केंद्रीय बजट विकसित भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला : मधु कोड़ा

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला में केंद्रीय बजट 2026-27 पर रविवार को प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने इसे विकसित भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को बेहतर बनाने, आत्मनिर्भरता को सशक्त करने और भारत को वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की दिशा में आगे ले जाने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है।मधु कोड़ा ने कहा कि बजट में देश के प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल खोलने का प्रस्ताव छात्राओं को शिक्षा के साथ रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह कदम महिला सशक्तिकरण को नई मजबूती देगा। उन्होंने इसे युवा शक्ति से प्रेरित बजट बताया और कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों, अनुसूचित जाति-जनजाति, महिलाओं, युवाओं और गरीब वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाना है।उन्होंने रांची में मानसिक स्वास्थ्य केंद्र निम्हांस-2 की स्थापना की घोषणा को झारखंड के लिए महत्वपूर्ण बताया। साथ ही कैंसर जैसी अन्य गंभीर बीमारियों की दवाओं को सस्ता किए जाने से आम जनता को बड़ी राहत मिलने की बात कही। मधु कोड़ा ने कहा कि यह बजट वर्तमान की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ भविष्य के सपनों को साकार करने वाला है और 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ओर देश को मजबूती से आगे बढ़ाएगा।**बजट आत्मनिर्भर, समावेशी और विकसित भारत की ऐतिहासिक बुनियाद रखने वाला : गीता कोड़ा** वहीं पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने भी केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर, समावेशी और विकसित भारत की ऐतिहासिक बुनियाद रखने वाला है। उनके अनुसार यह बजट आर्थिक विकास को गति देगा और देश में निवेश, उद्योग, पर्यटन तथा रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करेगा।गीता कोड़ा ने कहा कि जनता की उम्मीदों को पूरा करना इस बजट की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इससे आम नागरिकों को अधिक सुविधाएं और बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास इस बजट के केंद्र में है, जिससे विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचेगा।

केंद्रीय बजट लोक-कल्याणकारी और विकसित भारत का रोडमैप : रघुवर दास

संताल एक्सप्रेस

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने केंद्रीय बजट को लोक-कल्याणकारी, सर्वसमावेशी और दूरदर्शी बताया हैरघुवर दास ने रविवार को कहा कि यह बजट देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक सशक्त आधार प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि बजट समाज के प्रत्येक वर्ग–गांव, गरीब, किसान, युवा, नारी शक्ति, आदिवासी, दलित, पिछड़ा, अत्यंत पिछड़ा और मध्यम वर्ग को सशक्त एवं सक्षम बनाने पर केंद्रित है।रघुवर दास ने कहा कि यह बजट सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी है, जिसमें देश के जन-जन और सभी क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास एवं कल्याण की स्पष्ट झलक मिलती है। उन्होंने कहा कि बजट में आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक संतुलन और समावेशन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे यह आमजन के हितों से जुड़ा एक प्रभावी बजट बनता है।पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस बजट के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि यह विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने चार करोड़ झारखंडवासियों की ओर से केंद्र सरकार के प्रति आभार एवं साधुवाद व्यक्त किया।

नगर निकाय चुनाव में धनबल पर लगाम, बैंकों में नगदी लेनदेन की कड़ी निगरानी

संताल एक्सप्रेस

रांची। नगर निकाय चुनाव में धनबल के इस्तेमाल को रोकने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने बैंकों में होने वाले नगदी लेनदेन की कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। आयोग ने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया है कि वे बैंकों में किसी भी प्रकार के असामान्य और संदेहास्पद नगदी लेनदेन पर पैनी नजर रखें। हालांकि अब तक किसी खाते में असामान्य नगदी लेनदेन का मामला सामने नहीं आया है। इसके बावजूद आयोग ने ऐसे मामलों की जांच के निर्देश दिए हैं, जिनमें किसी खाते से बड़ी राशि की निकासी हो रही हो, जबकि पिछले दो माह में उस खाते से इस प्रकार की कोई निकासी नहीं की गई हो। राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चुनाव अवधि के दौरान किसी भी व्यक्ति के बैंक खाते से प्रतिदिन होने वाली संदेहास्पद नगदी निकासी की जानकारी बैंकों से प्राप्त कर सकते हैं। निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान यदि किसी खाते में 10 लाख रुपये से अधिक की राशि जमा की जाती है या असामान्य नगदी निकासी होती है, जबकि पिछले दो महीनों में ऐसा कोई लेनदेन नहीं हुआ हो, तो उस पर रिपोर्ट मांगी जाएगी। इसके अलावा, एक ही बैंक खाते से कई व्यक्तियों के खातों में आरटीजीएस के माध्यम से असामान्य राशि के हस्तांतरण को भी संदेहास्पद लेनदेन की श्रेणी में रखा गया है। प्रत्याशियों द्वारा दाखिल किए गए अथवा दाखिल किए जाने वाले शपथपत्रों में यदि प्रत्याशी, उनके पति या पत्नी अथवा आश्रितों के बैंक खाते से एक लाख रुपये से अधिक की नगदी जमा या निकासी दर्शाई जाती है, तो उसकी भी जांच की जाएगी। चुनाव अवधि के दौरान प्रत्याशी के खाते में एक लाख रुपये से अधिक की नगदी जमा या निकासी को भी संदेहास्पद माना जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी भी प्रकार का संदेहास्पद लेनदेन सामने आता है, तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को बैंकों से नियमित रूप से रिपोर्ट प्राप्त कर उसे व्यय प्रेक्षक को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही आयकर विभाग के अन्वेषण निदेशालय के माध्यम से गठित उड़नदस्ते भी इस प्रक्रिया में सक्रिय रहेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनाव में अवैध धन का उपयोग न हो।

अस्पष्ट और भ्रामक है केंद्रीय बजट : कांग्रेस

रांची। केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस ने टैक्स में चोरों को छूट देनेवाला बताया है। पार्टी की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है कि केंद्रीय वित्त मंत्री की ओर से पेश बजट पूरी तरह मीठे शब्दों का पुलिंदा मात्र है। हर वर्ष कृषि, शिक्षा, रक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कटौती की जा रही है।बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो ने इसे अस्पष्ट और भ्रामक बताया है। उन्होंने कहा कि बजट में समाज का कौन सा वर्ग केंद्र बिंदु है यह साफ नहीं है। यह बजट किसके लिए बनाया गया है इसे कौन लाभान्वित होगा किसी को समझ में नहीं आ रहा है। इंद्रजाल की तरह पूरी तरह भ्रम का बजट है।उन्होंने कहा कि उद्योग, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा हर क्षेत्र में निराशा है। देश को खनिज उपलब्ध कराने की दिशा में झारखंड की भूमिका अव्वल नंबर की है, लेकिन रेयर अर्थ कॉरिडोर से झारखंड को दूर रखा गया है। वहीं ओड़िशा को इसमें शामिल किया गया है, क्योंकि वहां भाजपा की सरकार है। एमएसएमई सेक्टर में कम राशि का प्रावधान मझौले, छोटे उद्योगों को हतोत्साहित करेगा। पहले से आर्थिक मार झेल रहे लाखों उद्योग इससे प्रभावित होंगे।सबसे ज्यादा निराशा कृषि जगत को हुई है। कमलेश ने कहा कि उम्मीद थी कि किसान सम्मन निधि की राशि बढ़ेगी और किसानों के लिए छूट की घोषणा की जाएगी। लेकिन इसकी जगह विदेश की सैर करने वालों को टैक्स में छूट दी गई है। टैक्स चोरों को छूट दी गई है। चोरी पर दंड नहीं जुर्माना लगेगा। यह टैक्स चुराने वालों को प्रोत्साहन मिलेगा।

केंद्रीय बजट सर्वसमावेशी, विकासोन्मुख और रोजगारोन्मुख है : आदित्य साहू

संताल एक्सप्रेस

रांची। झारखंड की राजधानी रांची स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में रविवार को आर्थिक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बजट परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की उपस्थिति में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से लगातार नौवीं बार प्रस्तुत केंद्रीय बजट भाषण को सुना गया।इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह सर्वसमावेशी, विकासोन्मुख और रोजगारोन्मुख बजट है। उन्होंने कहा कि यह बजट गरीब, किसान और महिला केंद्रित है, जो देश के विकास की संभावनाओं के अनेक मार्ग प्रशस्त करता है। रेल, सड़क, स्वास्थ्य तथा लघु एवं कुटीर उद्योग जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने वाला यह बजट आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक अहम कदम है।आदित्य साहू ने कहा कि यह बजट नए संकल्पों, नए सुधारों और कर्तव्यों को सुनिश्चित करने वाला है।

स्वास्थ्य मंत्री के बयान पर ऊर्जा मित्र संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

धनबाद। धनबाद के धैया स्थित कार्यालय में रविवार को झारखंड राज्य ऊर्जा मित्र संघ की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में हाल ही में गोविंदपुर में बिजली चोरी रोकने रोकने गए विद्युत कर्मियों के साथ हुए मारपीट और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा दिए गए बयान पर कड़ा विरोध जताते हुए मारपीट करने वालो के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई, अन्यथा संघ की ओर से राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी गई।संघ के संस्थापक संतोष प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि बिजली चोरी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान विद्युत कर्मियों द्वारा अवैध कनेक्शन काटे गए थे, जिसके बाद ग्रामीणों ने बिजली कर्मियों के साथ मॉब लिंचिंग की तर्ज पर मारपीट की। इस हमले में कई विधुतकर्मी बुरी तरह घायल हो गए है, कुछ की स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है।उन्होंने कहा कि इस मामले में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी द्वारा उल्टा विधुतकर्मियों पर ही महिला से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देश पर ही विद्युतकर्मी राजस्व उगाही और बिजली चोरी रोकने का कार्य करते हैं। ऐसे में यदि उनके साथ मारपीट होती है और मंत्री स्तर से ही उनका समर्थन नहीं किया जाता है, तो कर्मी अपनी समस्या किसके सामने रखेंगे। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से मांग करते हुए कहा कि यदि बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी करने गए विधुतकर्मियों ने किसी महिला के साथ छेड़खानी की है तो मंत्री जी उसका सबूत पेश करें। अन्यथा मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करे और यदि उनकी मांग नही मानी गई तो सभी संगठन एक मंच पर आकर राज्यव्यापी आंदोलन करने के साथ ब्लैकआउट करेंगे।

केंद्रीय बजट झारखंड के प्रति भेदभावपूर्ण रवैये का दस्तावेज : झामुमो

रांची। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तुत आम बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे झारखंड के प्रति केंद्र सरकार की भेदभावपूर्ण रवैये का दस्तावेज बताया है।उन्होंने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि यह बजट झारखंड के प्रति केंद्र के भेदभाव को दर्शाता है और जनता इसे भली-भांति देख रही है।पांडेय ने कहा कि खनिज-संपन्न, श्रमशील और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले झारखंड को न तो उसका बकाया मिल रहा है और न ही राज्य की वास्तविक विकास जरूरतों को बजट में जगह दी जा रही है। उन्होंने जीएसटी युक्तिकरण के कारण झारखंड को होने वाली हजारों करोड़ रुपये की वार्षिक क्षति पर भी केंद्र सरकार की चुप्पी को गंभीर बताया।उन्होंने कहा कि यह बजट झारखंड के लिए विकास का नहीं, बल्कि निराशा का दस्तावेज है। कहा कि कृषि, सिंचाई, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना जैसे अहम क्षेत्रों में झारखंड को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है। चुनावी समीकरणों के आधार पर चुनिंदा राज्यों को भारी पैकेज देकर भेदभाव की नीति अपनाई गई है।पांडेय ने कहा कि बजट में न तो नई रेल लाइन की घोषणा की गई है, न नई ट्रेनों की, और न ही सीमांत किसानों, मजदूरों, महिलाओं और युवाओं के लिए कोई ठोस पहल की गई है।

भागलपुर से शुरू हुई गांधी स्मृति यात्रा के यात्रियों का धनबाद पहुंचने पर स्वागत

संताल एक्सप्रेस

धनबाद। भागलपुर से शुरू हुई गांधी स्मृति यात्रा के यात्रियों का धनबाद पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। यह यात्रा झारखंड में गांधी के आगमन और उनके द्वारा किए गए कार्यों की स्मृति को ताज़ा करने के लिए की जा रही है। धनबाद पहुंचने के पहले शनिवार को यात्रियों ने मधु पुर में सौ साल पहले गांधीजी के आगमन के स्थलों का दौरा किया और उनको श्रद्धांजलि देने के साथ गांधी हेरिटेज द्वारा आयोजित गांधी पर केंद्रित एक संगोष्ठी में भाग लिया। यात्रा दल में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति डॉ मनोज कुमार, कई गांधी आश्रमों के संस्थापक, पत्रकार और लेखक डॉ मनोज मीता और वरिष्ठ पत्रकार प्रसून लतांत शामिल हैं।धनबाद और झरिया में वरिष्ठ समाज कर्मी हरि कृष्ण लाटा, इंडिया अगेंस्ट करप्शन के जय कृष्ण, दिनेश आजाद,प्रशांत मिश्र और अश्विनी तिवारी आदि से मिले । इसके अलावा जहां जहां गांधी जी ठहरे थे, उन उन जगहों का दौरा किया और गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। यात्री झरिया में उस कमरे में भी गए जहां वह कुर्सी अभी तक रखी हुई है जिस पर गांधी जी बैठे थे। इसी कमरे में उन्हें स्थानीय सेठ रामजस जी ने हजारों रूपये का चेक दिया था।इस मौके पर डॉ मनोज ने कहा कि महात्मा गांधी इतिहास के अवशेष नहीं बल्कि भविष्य की संभावना है। उन्होंने कहा कि यात्रा के बाद गांधी जी के भूले बिसरे प्रसंगों को लेकर जल्द ही एक ग्रन्थ तैयार किया जाएगा ताकि नई पीढ़ी गांधी जी के विचारों और मूल्यों से अवगत हो सके।

विकसित भारत की दिशा में केंद्र सरकार का दूरदर्शी बजट : चंपई सोरेन

जमशेदपुर । झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक दूरदर्शी और समावेशी रोडमैप बताया है।उन्होंने रविवार को अपने एक्स पोस्ट के जरिए कहा कि यह बजट सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए गरीबों, मजदूरों, किसानों, महिलाओं, छात्रों और आम नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। बजट का मुख्य उद्देश्य लोगों की क्षमताओं को निखारना, हर परिवार के लिए आय के नए अवसर सृजित करना और देश की आर्थिक विकास दर को तेज करना है।चंपई सोरेन के अनुसार बजट में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने पर विशेष जोर दिया गया है। काजू, अखरोट, बादाम, नारियल, कॉफी और मछली पालन जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा देकर किसानों और छोटे उद्यमियों की आय बढ़ाने की योजना सराहनीय है। खादी, हथकरघा और हस्तशिल्प से जुड़े कारीगरों के लिए किए गए प्रावधानों से बुनकरों और शिल्पकारों के जीवन में खुशहाली आने की उम्मीद है।

धनबाद में व्यवसायी ने की आत्महत्या

धनबाद। ट्रिनिटी गार्डन भेलाटांड़ में पहने वाले व्यवसायी फाल्गुनी मुखर्जी (58) ने शनिवार की रात आत्महत्या कर ली। फाल्गुनी बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के भेलाटांड़ ट्रिनिटी गार्डन ए ब्लॉक अपार्टमेंट में रहते थे। फाल्गुनी मुखर्जी ने शनिवार की देर रात अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।घटना की सूचना मिलने पर सर्किल इंस्पेक्टर सीमा कुमारी और थाना के एसआई नागेश श्रीवास्तव मौके पर पहुंचकर जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया।परिजनों ने अनुसार फाल्गुनी मुखर्जी हर दिन की भांति हीरापुर विवेकानंद चौक स्थित बैग की दुकान बंद कर घर आए थे। खाना खाकर अपने कमरे में चले गए। रविवार सुबह 9:30 बजे तक जब दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने काफी देर तक उन्हें जगाने का प्रयास किया लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। इसके बाद चाभी से दरवाजे को खोला गया तो देखा कि फाल्गुनी मुखर्जी पंखे के सहारे प्लास्टिक रस्सी के फंदे में लटके हुए हैं। बरवाअड्डा थाना को सुचना दी गई। पुलिस पहुंची और शव को फांसी के फंदे से उतारकर शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया। पुलिस ने मृतक के कमरे से प्लास्टिक रस्सी, एक बोतल और मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिया है। बताया जाता है कि फाल्गुनी मुखर्जी की अपनी पत्नी से नहीं बनती थी। दोनों के बीच अक्सरहां झगड़ा होता रहता था।

एकल अभियान की ओर से रन फॉर एजुकेशन का आयोजन

धनबाद। एकल अभियान की ओर से मदनलाल अग्रवाल की 103वीं जयंती के मौके पर धनबाद में रन फॉर एजुकेशन का आयोजन किया गया। जिसमे सुदूरवर्ती गांवों से आए करीब 5 हजार बच्चों ने भाग लिया।बच्चों को पढ़ाई और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार की सुबह करीब 6:30 बजे धनबाद क्लब के प्रांगण से एकल दौड़ का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन धनबाद विधायक राज सिन्हा, ईसीएल के जीएम फाइनेंस श्याम सुंदर गुप्ता एवं आईआईटी के डिप्टी डायरेक्टर प्रो. धीरज कुमार ने किया। यह दौड़ धनबाद क्लब से शुरू होकर राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर तक गई। जिसमें धनबाद और उसके आसपास के सुदूरवर्ती गांवों से आए करीब 5 हजार बच्चों ने भाग लिया। वहीं कार्यक्रम में मौजूद धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि जहां आज के दौर में बच्चे मोबाइल फोन और लैपटॉप पर पूरा दिन व्यस्त रहते हैं, वैसे समय मे इस तरह का आयोजन बच्चों और धनबाद वासियों को जनक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने वाला है।

भारत के संकल्प को और मजबूत करने वाला बजट : अमित

केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026 आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूत करने वाला बजट है। यह बजट सिर्फ आँकड़ों का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि गरीब, किसान, युवा और मध्यम वर्ग के सपनों का प्रतिबिंब है। इस बजट में विकास के साथ विश्वास की स्पष्ट झलक मिलती है। बुनियादी ढाँचे पर ज़ोर देकर सरकार ने रोज़गार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अमित कुमार, गोड्डा

धुमकुड़िया में माघी पूर्णिमा पर बिंदु चन्दन बोंगा बरू की पूजा-अर्चना

नाला (जामताड़ा)। नाला प्रखंड अंतर्गत गुरु गोमके इतुत आसड़ा, मोरबासा धुमकुड़िया में माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ बिंदु चन्दन बोंगा बरू की पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। पूजा कार्यक्रम नायकी शिवलाल मुर्मू के सानिध्य में विधिवत संपन्न हुआ।मोरबासा पंचायत के लाइयाडीह फुटबॉल मैदान में आयोजित इस संथाल सांस्कृतिक कार्यक्रम में गांव के नायकी, सभी पदधारक, इतुत आखड़ा के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना में भाग लिया।इस अवसर पर पदधारकों ने कहा कि संथाल समाज की बिंदु चन्दन पूजा के महत्व से आज भी समाज के कई लोग अनभिज्ञ हैं।

निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं : डीसी

संताल एक्सप्रेस

जामताड़ा।जामताड़ा जिले में नगरपालिका निर्वाचन 2026 को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में रविवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त जामताड़ा रवि आनंद की अध्यक्षता में गोपनीय आवासीय कार्यालय में सभी कोषांगों के वरीय एवं नोडल अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन से जुड़े प्रत्येक पहलू की बारीकी से समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी कोषांगों को अविलंब पूरी तरह फंक्शनल करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मतदान दलों की प्रतिनियुक्ति, कर्मियों के रेंडमाइजेशन, प्रशिक्षण, मतपत्र एवं मतपेटिका की व्यवस्था, चेकपोस्टों की 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी, मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा वाहनों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही आदर्श आचार संहिता के सख्त अनुपालन पर भी जोर दिया गया।इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा जिले के सभी प्रिंटिंग प्रेस को भी सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए। उन्होंने बताया कि नगरपालिका चुनाव के दौरान पर्चा, पोस्टर, बैनर एवं अन्य चुनावी सामग्रियों की छपाई में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127(ए) तथा झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 561 का पालन अनिवार्य है। बिना मुद्रक और प्रकाशक के नाम-पते के किसी भी सामग्री की छपाई कानूनन अपराध है, जिस पर कारावास या जुर्माने का प्रावधान है।उपायुक्त ने सभी अधिकारियों और प्रिंटिंग प्रेस संचालकों को भारत निर्वाचन आयोग एवं राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने की चेतावनी देते हुए कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार सहित कई जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

माघी पूर्णिमा पर शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

फतेहपुर (जामताड़ा)। प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर आस्था और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने अहले सुबह से ही नदी और तालाबों में पवित्र स्नान किया। स्नान के उपरांत श्रद्धालु नजदीकी शिवालयों में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक में लीन नजर आए। माघी पूर्णिमा के मौके पर प्रखंड मुख्यालय स्थित मुरीडीह शिव मंदिर, फतेहपुर हाई स्कूल के समीप स्थित नंदी धाम सहित विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिरों में हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को जल, बेलपत्र, दूध, धतूरा एवं पुष्प अर्पित कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की।

अंडर-10 जिम्नास्टिक चैंपियनशिप का समापन

चित्तरंजन । चित्तरंजन स्थित जिम्नास्टिक हॉल में रविवार को वेस्ट बंगाल जिम्नास्टिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय बर्दवान जिला अंडर-10 बालक एवं बालिका जिम्नास्टिक चैंपियनशिप का भव्य और उत्साहपूर्ण समापन हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) के महाप्रबंधक अनिल कुमार गुप्ता तथा विमेंस वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की अध्यक्षा अनिता गुप्ता उपस्थित रहीं। आयोजकों की ओर से दोनों अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।समापन समारोह में विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नन्हे खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। अपने संबोधन में अनिल कुमार गुप्ता ने बच्चों की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कहा कि जिम्नास्टिक जैसे खेल बच्चों के शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक मजबूती, अनुशासन और आत्मविश्वास को भी सशक्त बनाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास कर राज्य और देश का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी।यह प्रतियोगिता चित्तरंजन के पूर्व जिम्नास्ट एवं अंतरराष्ट्रीय जज स्वर्गीय तपन ओझा की स्मृति को समर्पित रही। आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन उनके खेल जगत में दिए गए अमूल्य योगदान को सम्मान देने का प्रयास है।

पेनाल्टी शूटआउट में कारी इमरान बंशीपुर बनी चैंपियन

बसंतराय । सिद्धू कान्हु युवा क्लब, कैथिया के तत्वावधान में एरो पार्क स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रोमांचक अंदाज में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में रोमांच अपने चरम पर रहा, जहां पेनाल्टी शूटआउट में कारी इमरान बंशीपुर की टीम ने न्यू स्टार टीम कैथिया को पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया।फाइनल मुकाबला कारी इमरान बंशीपुर और न्यू स्टार टीम कैथिया के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। जिसके बाद मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से किया गया। पेनाल्टी शूटआउट में कारी इमरान बंशीपुर की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव हासिल किया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख अंजर अहमद, जिला

परिषद सदस्य एहतेशामुल हक एवं बरूण यादव उपस्थित रहे। विजेता और उप विजेता टीम को ट्रॉफी व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख अंजर अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि खेल युवाओं को नशा और अपराध से दूर रखता है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच मिलता है।वहीं जिला परिषद सदस्य एहतेशामुल हक ने कहा कि फुटबॉल जैसे खेल आपसी भाईचारे और अनुशासन को मजबूत करते हैं। भविष्य में ऐसे आयोजन और बड़े स्तर पर किए जाएंगे। बरूण यादव ने कहा कि कैथिया की धरती से निकले खिलाड़ी आने वाले समय में जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगे।

केंद्रीय बजट में सभी वर्गों को रखा गया है ध्यान : भाजपा

संताल एक्सप्रेस

गोड्डा । केंद्रीय आम बजट रविवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया। जहां बजट आम जनों को ध्यान में रखकर पेश किए गए इस बजट में सभी वर्गों का ख्याल रखा गया है। खासकर किसानों, दिव्यांगों, गरीब तबके के लोगों को काफी राहत दी गई है। इस बजट को लेकर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया जारी की है जो इस प्रकार हैं -

केंद्रीय बजट में सभी वर्गों का रखा गया है ध्यान : शैलेन्द्र

इस बजट में समाज के सभी वर्गों का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र के साथ देश को आगे बढ़ा रही है। बजट में गरीब, किसान, युवा, महिलाएं और मध्यम वर्ग के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं, जिससे आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र को मजबूती देने के लिए किए गए प्रावधान यह दर्शाते हैं कि सरकार देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

शैलेन्द्र सुमन ओबीसी मोर्चा, भाजपा

सभी वर्गों को ध्यान में रखकर बनाया गया बजट : अशोक

आम बजट का स्वागत करता हूं, यह बजट विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत करने वाला है। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत आम बजट का स्वागत करता हूं। यह आम और खास सभी वर्गों को ध्यान में रखकर बनाया गया संतुलित बजट है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया यह बजट भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में एक और मजबूत कदम है। बजट में मैन्युफैक्चरिंग हब, टेक्सटाइल हब, बंद पड़े उद्योग-धंधों को पुनर्जीवित करने तथा एमएसएमई के तहत लघु उद्योगों को बढ़ावा देने की जो योजनाएँ घोषित की गई हैं, वे देश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देंगी। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय स्तर पर उद्योगों को नई रफ्तार मिलेगी। यह बजट आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने वाला बजट है, जिसका लाभ देश के हर वर्ग तक पहुंचेगा।

अशोक सिंह, गोड्डा

पहली बार मठ एवं मंदिरों के संरक्षण की बात : सुरजीत

बजट में सभी वर्गों का खयाल रखा गया है। पहली बार मठ एवं मंदिरों के संरक्षण की बात कही गई है। खेल, कृषि, किसान, शोध एवं अन्वेषण के साथ - साथ दिव्यांग जन को भी प्राथमिकता दी गई है। सुरजीत झा खेल प्रशासक, साहित्यकार, सस्कृति कर्मी एवं सामाजिक कार्यकर्ता

ईमानदारी से अमलीजामा पहनाने की जरूरत : सर्वजीत

बजट सराहनीय है बशर्ते धरातल पर सारी योजनाएं उतरनी चाहिए। स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान यही आम नागरिक की मूलभूत आवश्यकता है। बजट में इसका खयाल तो रखा गया है। ईमानदारी से अमलीजामा पहनाने की जरूरत है।

सर्वजीत झा अंतेवासी अधिवक्ता, गोड्डा

विकासोन्मुखी है बजट : अखिल

बजट विकासोन्मुखी है। अच्छे बजट की सराहना होनी ही चाहिए। दिव्यांग जन के साथ - साथ पहली बार मानसिक दिव्यांग के लिए प्रावधान किया गया है। सरकार ने मानसिक आरोग्यशाला की संख्या में इजाफा का निर्णय लिया है। कौशल विकास को पहले भी प्रस्थमिकता दी गई थी और इस बार भी दिया गया है। अखिल कुमार झा खेल प्रशासक, गोड्डा

केंद्रीय बजट देश के हित में : प्रिया सिंह, मेहरमा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट की सराहना करती हूं। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। इस बजट में गरीब, किसान, महिला, युवा और मध्यम वर्ग सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है। प्रिया सिंह पटेल, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा

केंद्रीय बजट 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अहम कदम : डॉ0 गोविन्द

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वार्षिक बजट को 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। बजट विकास और वित्तीय अनुशासन का संतुलित दस्तावेज होता है, जो किसी भी देश के आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। झारखंड जैसे छोटे एवं संसाधन-समृद्ध लेकिन अपेक्षाकृत पिछड़े राज्य के लिए यह बजट विशेष महत्व रखता है। बजट में बुनियादी ढांचे, सड़क-रेल कनेक्टिविटी, एमएसएमई और रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया गया है, जिससे राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी। साथ ही शिक्षा, कौशल विकास और मानव पूंजी निर्माण पर किए गए निवेश से झारखंड के युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे। कुल मिलाकर यह बजट झारखंड के समावेशी और सतत विकास की दिशा में एक सकारात्मक और दूरदर्शी कदम है।डॉ गोविंद कुमार, सहायक प्राध्यापक, एसआरटी महाविद्यालय, धमड़ी

विकसित भारत को समर्पित है केंद्रीय बजट :संजीव महतो, केंद्रीय बजट भारत के समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह बजट देश के गरीब, किसानों, मध्यम वर्ग और छोटे उद्यमियों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देता है और आर्थिक संतुलन तथा समृद्ध समाज बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह बजट विकसित और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे गरीब एवं वंचित तबकों आदिवासी, दलित, पिछड़ों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों आदि के सशक्तिकरण की ओर देश बढ़ेगा। संजीव महतो, केंद्रीय सचिव,आजसू पार्टी

विकसित भारत का सपना हो रहा साकार : प्रीतम

केंद्रीय बजट में गरीबों एवं वंचित तबको जैसे आदिवासी दलित पिछड़ो महिलाओं अल्पसंख्यकों आदि के सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए जारी किया है। साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में तमाम अनिश्चितताओं के बावजूद भारत में 7त्न के उच्च विकास दर को बनाए रखा है। सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यमियों के लिए 10, 000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त कोष की घोषणा की गई है जो देश में उधमशीलता को बढ़ावा देगा। प्रीतम गाड़ियां अध्यक्ष चेंबर ऑफ कॉमर्स गोड्डा ।

दस बजकर दस मिनट पर अपने पूर्वज के नाम पर कार्यक्रम

संताल एक्सप्रेस

गोड्डा । प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के स्मृति एवं सम्मान में उनके परिजनों तथा स्वजनों द्वारा आयोजित देशव्यापी श्रद्धांजलि कार्यक्रम दस बजे दस मिनट अपने पूर्वज के नाम के तहत गोड्डा जिला मुख्यालय में भी उक्त कार्यक्रम का आयोजन होता रहा है। इसी कड़ी में रविवार को नियत समय पर स्थानीय शहीद स्मारक परिसर में अंग क्षेत्र के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद एवं समाज सुधारक स्व. पण्डित रणजीत झा के तृतीय सुपुत्र सह लोक मंच सचिव सर्वजीत झा अंतेवासी की अध्यक्षता तथा अखिल भारतीय शहीद एवं

स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (झारखंड) सह ग्राम जमनी पहाड़पुर के स्वतंत्रता सेनानी स्व. छेदी प्रसाद झा के पुत्र दिवाकांत वत्स के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल स्व. पंडित रणजीत झा के कनिष्ठ पुत्र व विभिन्न संघ - संगठन सचिव सुरजीत झा, ग्राम हिलाबै के स्वतंत्रता सेनानी नंदकिशोर मांझी के पुत्र ओमप्रकाश मांझी, स्वतंत्रता सेनानी स्व. हलधर वैद्य के पुत्र आशुतोष वैद्य एवं स्वतंत्रता सेनानी स्व. नीलकंठ ठाकुर के पौत्र गौरव वत्स ने बापू एवं लोक नायक जय प्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के पश्चात देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों एवं भारत माता के जोरदार जयकारे लगाए। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान के पश्चात पिछले दिनों दिवंगत हुईं स्वतंत्रता सेनानी स्व. हलधर वैद्य की धर्मपत्नी सरोजिनी देवी की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

अवैध नकली देशी और अंग्रेजी शराब फैक्ट्री का गोड्डा पुलिस ने किया उजागर

संताल एक्सप्रेस

गोड्डा । आगामी निगर निकाय चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार अवैध शराब के विरूद्ध छापामारी का निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में दिनांक 31 जनवरी 2026 को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम घटियारी में चामू मंडल के घर पर भारी मात्रा में नकली शराब का निर्माण एवं बिक्री किया जाएगा। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु वरीय पदाधिकारी को सूचित किया गया। पुलिस अधीक्षक के द्वारा एक विशेष छापामारी दल का गठन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गोड्डा के नेतृत्व में किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरीत कार्रवाई करते हुए ग्राम घटियारी पहुँच कर चामू मंडल के घर पर छापामारी किया गया। छापामारी के क्रम में कई सामान जप्त किया गया। उक्त घटना के संदर्भ में सुन्दरपहाड़ी थाना कांड संख्या 06/26 दिनाक 01 फरवरी 2026 सुसंगत धाराओं के अंतर्गत दर्ज कर कांड में संलिप्त व्यक्तियों कि गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है।उक्त छापामारी में स्प्रिट 1400 लीटर, देशी शराब 400 लीटर, नकली शराब 45 बोतल, विभिन्न कम्पनियों का लॉगो 15 बंडल, झारखण्ड सरकार का लॉगो 3 बंडल, विभिन्न कम्पनी का ढक्कन करीब 1000 पीस, खाली बोतल 1500 पीस, बाखर एक बोला करीब 40 किलो, टेबलेट एक बोरा 40 किलो, कच्चा महुँआ 40 किलो, अवैध शराब बनाने का अन्य सामान, जावा महुँआ 1500 किलो व नकली शराब बनाने वाला अन्य सामग्री बरामद कर जब्त की गई। उक्त छापामारी दल में अशोक कुमार रविदास, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गोड्डा, कुमार गौरव , पुलिस उपाधीक्षक, गोड़्?डा, पुनि मधुसुदन मोदक, पुलिस निरीक्षक, सदर प्रभाग गोड्डा, पुनि दिनेश कुमार महली, पुनि सह थाना प्रभारी, नगर थाना, गोड्डा, पुअनि बिधान चन्द्र पटेल, थाना प्रभारी, सुन्दरपहाड़ी, मपुअनि गुलाब किस्पोट्टा, थाना प्रभारी, महिला थाना, पुअनि बलुएल लकड़ा, सुन्दरपहाडी थाना, सुन्दरपहाडी थाना एवं राजाभिट्ठा थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल मौजूद थे।

संत शिरोमणि रविदास जयंती पर शोभायात्रा

करमाटॉड़। करमाटॉड प्रखंड के सीताकट्टा गांव में, संत शिरोमणि रविदास जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का संचालन सीताकट्टा के ग्रामीणों द्वारा किया गया। वही संतरविदास जी के 649 वें जन्म दिवस के अवसर पर आसपास के गांव से भी बड़ी संख्या में लोग जुटे। उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उसके बाद सैकड़ो की संख्या में शोभात्र निकल गया, यह शोभायात्रा सीताकट्टा दास पाडा से शुभारंभ करते हुए मेंन बाजार गणपत चौक होते हुए हनुमान मंदिर तक गया फिर वापस बाजार होते हुए रेलवे लाइन के उस पार होते हुए सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तक गई उसके बाद फिर वापस सीताकट्टा दास पाड़ा में विराम दिया गया।

भाजपाइयों ने आम बजट का सीधा प्रसारण देखा और सुना

संताल एक्सप्रेस

नाला (जामताड़ा)।भारतीय जनता पार्टी के नाला मंडल एवं खैरा मंडल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के केंद्रीय आम बजट का सीधा प्रसारण देखा व सुना गया।नाला मंडल में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष कैलाश मंडल ने की, जबकि खैरा मंडल में कार्यक्रम की अध्यक्षता खैरा मंडल अध्यक्ष मोहित भोक्ता ने की।नाला मंडल के कार्यक्रम में प्रदेश परिषद सदस्य माधव चंद्र महतो, मंडल अध्यक्ष कैलाश मंडल, जिला उपाध्यक्ष रणजीत तिवारी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष तपस भट्टाचार्य, वरिष्ठ कार्यकर्ता सुभाष राय, विजय सिंह, चंद्र मोहन घोष, नारायण मंडल, विश्वजीत मंडल, पूर्ण चंद्र मंडल, अनाथ गोराई, मनोज गोराई, बिरजू कर एवं उत्तम कुमार मंडल सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।वहीं

खैरा मंडल अध्यक्ष मोहित भोक्ता के नेतृत्व में बान्दो गांव में भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं आम ग्रामीणों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट को धैर्यपूर्वक सुना। इस दौरान भाजपाइयों ने कहा कि यह आम बजट सभी वर्गों के लिए लाभकारी है और आम जनता के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अभय कुमार सिंह, खैरा मंडल के पूर्व मंडल अध्यक्ष ठाकुरमणि सिंह, आनंद सिंह, हरनंदन सिंह, बीरेंद्र सिंह, काजल सिंह, आदित्य सिंह, प्रवीण सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

देवली में विधिक जागरूकता शिविर

नाला (जामताड़ा)। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माननीय अध्यक्ष राधा कृष्ण एवं आदरणीय सचिव पवन कुमार के मार्गदर्शन में शनिवार को नाला प्रखंड अंतर्गत देवली गांव में एक विशेष विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में प्राधिकार की पीएलवी निशा सोरेन द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को बाल विवाह की रोकथाम एवं इसके दुष्परिणामों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि बाल विवाह का आशय लड़कियों का 18 वर्ष से कम तथा लड़कों का 21 वर्ष से कम आयु में विवाह से है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है, जिसमें सजा के साथ-साथ जुर्माने का भी प्रावधान है। साथ ही विवाह में शामिल सभी लोग इस अपराध के लिए दोषी माने जाते हैं।

गोड्डा कॉलेज में ड्रेस कोड को लेकर बवाल

संताल एक्सप्रेस

गोड्डा । ड्रेस कोड को लेकर गोड्डा कॉलेज गोड्डा में खूब गहमागहमी चली। वहीं कॉलेज की बी एड सेमेस्टर-1 की छात्रा मोना भारती ने कॉलेज के ड्रेस कोड को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। मोना भारती ने कहा कि उन्हें कॉलेज परिसर में प्रवेश से सिर्फ इसलिए रोका गया क्योंकि वो लड़कों जैसे कपड़े पहनकर कॉलेज आती हैं। मोना भारती का मानना है कि वो लड़कों जैसे ड्रेस कोड में रहने से सहज महसूस करती है। वहीं इस मामले पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विवेकानंद सिंह का साफ तौर पर कहा कि छात्राओं को लड़कियों की तरह सूट पहनकर ही आना होगा। ऐसे में अब छात्राओं का आरोप है कि जब आधिकारिक सूचना में जेंडर आधारित ड्रेस का कोई स्पष्ट प्रावधान ही नहीं, तो फिर जबरदस्ती का फरमान क्यों लगाया जा रहा है। छात्रा मोना ने कहा कि कक्षाओं में जेंडर इक्वलिटी, महिला सशक्तिकरण और समान अधिकार पढ़ाए जाते हैं, लेकिन व्यवहार में वही छात्रा बार-बार याद दिलाई जाती है कि उस लड़की को सीमा में रहना चाहिए। मोना भारती ने सीधे तौर पर महाविद्यालय प्रशासन पर आरोप मढ़ते हुए कहा कि ये विरोधाभास केवल पढ़ाई की नहीं है, ये शिक्षा-व्यवस्था हमारी आत्मा को चोट पहुँचाता है।

2047 के विकसित भारत की मजबूत नींव है मोदी सरकार का बजट : सुमित शरण

जामताड़ा । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मोदी 3.0 कार्यकाल का तीसरा बजट पेश किए जाने पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुमित शरण ने इसे दूरदर्शी और राष्ट्र निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन को साकार करता है, जिसके तहत वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाना लक्ष्य है।सुमित शरण ने कहा कि इस बजट में गरीब, किसान, युवा, व्यापारी और मध्यम वर्ग सभी के हितों को प्राथमिकता दी गई है। आत्मनिर्भर भारत को मजबूती देने वाले प्रावधान देश के सर्वांगीण विकास को नई गति देंगे। उन्होंने बताया कि बीते 11 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं, जो सरकार की नीतियों की सफलता को दर्शाता है।उन्होंने कहा कि राजस्व घाटा कम करने, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार, निवेश बढ़ाने और रोजगार सृजन पर सरकार का विशेष फोकस है।

भाजपाइयों ने आम बजट को सराहा

संताल एक्सप्रेस

फतेहपुर (जामताड़ा)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशव्यापी कार्यक्रम के तहत आम बजट वर्ष 2026-27 को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया। जिसे फतेहपुर मंडल के मंडल अध्यक्ष संजय मंडल के नेतृत्व मे फतेहपुर पंचायत के खिजुरिया गांव में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, पदाधिकारी तथा आम लोगों के द्वारा इस लाइव प्रसारण को बहुत ही धेर्य पूर्वक सुना गया। मौके पर भाजपा युवा नेता मनोज गोस्वामी ने कहा कि यह आम बजट सभी वर्ग किसान, शिक्षा, स्वास्थ के क्षेत्र में आमलोगों का लाभकारी बजट है। सीसीसी लोन 1 लाख से लेकर 5 लाख का बढ़ोतरी करने तथा नया स्लेब टैक्स में 12 लाख तक के आय पर कोई कर नहीं लगेगा। सभी लोगों ने मोदी जी को धन्यवाद देते

हुए पेश आम बजट को सराहा तथा सबों ने कहा कि ये बजट आम लोगों के लिए बहुत ही लाभकारी तथा अंतोदय से लेकर मध्यमवर्गीय लोग के लिए राहत भरा बताया गया। मौके पर भाजपा युवा नेता मनोज गोस्वामी, मंडल प्रतिनिधि शोभा कुमारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रमोद गोस्वामी, दयामय पंडित, सुनील पंडित, प्रदीप पंडित, पूरन चंद्र पंडित, राजू पंडित, भीम पंडित, अमित कुमार पंडित, नित्य गोपाल पंडित के साथ साथ काफी संख्या में महिला कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित थे।

निलदहा में छटियार काराम का आयोजन

जामताड़ा । जामताड़ा प्रखंड अंतर्गत चंद्रदीपा पंचायत के निलदहा गांव में सौलह आना समिति की ओर से नवनिर्मित माँझी थान में छटियार काराम पर्व का आयोजन पारंपरिक श्रद्धा और सामाजिक एकता के साथ किया गया। इस अवसर पर बिर माँझी सह लॉबिर बैसी माँझी हराधन मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जब कि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक एवं माँझी परगाना सरदार महासभा के संरक्षक सुनील कुमार बास्की, जामताड़ा जिला अध्यक्ष सुनील कुमार हांसदा, महादेव हांसदा और नाज़िर सोरेन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।कार्यक्रम के दौरान माँझी थान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों के लिए सौलह आना समिति द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस क्रम में आर्थिक सहयोग देने वाले माँझी बाबा अनिल किस्कू, सेवानिवृत्त रेलवे अधिकारी नन्दलाल हांसदा, जॉन हेम्ब्रम, भारत सरकार में पदस्थ कृषि पदाधिकारी चंद्रशेखर हांसदा तथा मनोरंजन हेम्ब्रम को पगड़ी, शॉल एवं साड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं भूमि दाता श्रीमती मिलावती मुर्मू को भी विशेष सम्मान दिया गया।बिर माँझी हराधन मुर्मू ने माँझी बाबा अनिल किस्कू, माँझी गोगो, जॉन हेम्ब्रम एवं मनोरंजन हेम्ब्रम को पारंपरिक सम्मान प्रदान किया। इसके साथ ही निर्माण कार्य में लगे राजमिस्त्री, मजदूरों और आयोजन को सफल बनाने वाले लोगों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सौलह आना, माँझी, नाईकी, पारानीक, जोगमाँझी, गोडित और भद्दो की सक्रिय भूमिका रही।

बसंतराय में शिक्षक को दी गई विदाई

बसंतराय । प्रखण्ड क्षेत्र के मध्य विद्यालय, सनौर में सहायक अध्यापक भैरो मांझी के सेवानिवृत्ति के उप विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रणव कुमार ने की। विदाई समारोह के दौरान बसंतराय के उप प्रमुख बजरंगी यादव सहित कई ग्रामीण मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए उप प्रमुख बजरंगी यादव ने कहा कि सेवानिवृत्ति किसी भी नौकरी का एक कोमा होता है और सेवानिवृत्ति हमें ये एहसास दिलाती है कि ये सेवाकाल तो हम सरकार के आदेश में बीता दिए, लेकिन मूल सेवा सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवा देते रहना है। वार्ड प्रतिनिधि अनिल मिश्र ने कहा कि शिक्षक ही हैं जो धूल को भी चंदन बनाने का हुनर रखते हैं। उन्होंने कहा कि भले ही सनौर विद्यालय में इनका सेवाकाल महज कुछ ही महीनों का रहा, लेकिन इस दौरान इन्होंने अपनी छवि से समाज सहित विद्यालय के लिए बहुत कुछ बदलने और सुधारने का प्रयास किये। सेवानिवृत शिक्षक भैरो मांझी ने अपने सेवा काल के अनुभव साझा करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक बनने का पहला चरण मेरा पारा शिक्षक से शुरू हुआ। जिसके बाद हमें सरकार के द्वारा सहायक शिक्षक का सम्मान मिला। उन्होंने कहा कि किसी भी सेवाकाल का दो ही अविस्मरणीय क्षण यादगार रहता है। जिसमें पहला योगदान और दूसरा सेवानिवृत्ति होता है। श्री मांझी ने कहा कि इस विद्यालय में आने के बाद हमारे लिए सबसे बड़ा सवाल था यहां का परिवेश व विद्यालय का वातावरण। लेकिन जब हम अपना सेवा दिए तो ये सेवानिवृत्ति हमारे लिए अविस्मरणीय बन गया।

छिनतई करने वाली तीन महिला गिरफ्तार

गोड्डा । गणतंत्र दिवस पर गोड्डा नगर क्षेत्र अंतर्गत मेला मैदान में लगे मेला में चोरी, पॉकेटमारी और छिनतई करने वाली तीन महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं गिरफ्तार महिला के पास से चांदी का चैन 75 ग्राम, सिक्का व 2300 रूपए नगद बरामद किए गए। इस संबंध में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक प्रियदर्शी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि गणतंत्र दिवस मेला के दौरान लगातार छिनतई की घटनाओं की शिकायतें मिल रही थीं। इसी क्रम में गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कुछ महिलाएं मेला क्षेत्र में छिनतई की घटनाओं को अंजाम दे रही हैं।

जनाधार और तकनीक दोनों में मजबूत होता झामुमो

अनुज कुमार सिन्हा

दो फरवरी को दुमका में झारखंड दिवस और 4 फरवरी को धनबाद में झारखंड मुक्ति मोरचा का स्थापना दिवस समारोह होगा. झारखंड के इतिहास में इन दोनों तिथियों का बड़ा महत्व है. चार फरवरी 1973 को धनबाद में झारखंड मुक्ति मोरचा का पहला स्थापना दिवस समारोह मनाया गया था. यानी झामुमो 53 साल का हो चुका है. इस बार भी समारोह तो होगा, कार्यकर्ताओं-नेताओं में उत्साह भी होगा लेकिन एक कमी खलेगी, वह होगी दिशोम गुरु शिबू सोरेन की. यह पहला अवसर होगा जब शिबू सोरेन के बगैर समारोह होगा. एक ऐसी कमी, जिसे भरना आसान नहीं है. संतोष इस बात का होगा कि जिस झारखंड मुक्ति मोरचा को शिबू सोरेन ने खड़ा किया था, गांव-गांव से लाखों कार्यकर्ताओं को तैयार किया था, वह पार्टी देश की मजबूत क्षेत्रीय पार्टी के तौर पर स्थापित हो चुकी है. इसकी अगुवाई कोई और नहीं बल्कि दिशोम गुरु के पुत्र हेमंत सोरेन कर रहे हैं, जिनके पास विजन है और पार्टी को आगे ले जाने की पर्याप्त क्षमता है. इसे उन्होंने विधानसभा चुनाव में साबित भी किया है. 2019 और 2024 के विधानसभा चुनाव में झामुमो ने शानदार प्रदर्शन किया और सत्ता में आया. अब झामुमो अपनी शर्त पर झारखंड में राजनीति करने में सक्षम बन चुका है. शिबू सोरेन ने जो पार्टी का जो आधार बना दिया है,अब उसी राह पर, उसी बुनियाद पर झामुमो आगे बढ़ रहा है.

झारखंड मुक्ति मोरचा की ताकत, उसमें हुए बदलाव को समझना है, तो इसके इतिहास को देखना होगा. एक दौर था जब अलग राज्य की लड़ाई लड़ते वक्त साधन का अभाव था. शिबू सोरेन या पार्टी का संदेश कार्यकर्ताओं या गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए लकड़ी में पत्ता बांध कर या परचा का उपयोग किया जाता था. झामुमो के पास हर जिले में अपना व्यवस्थित कार्यालय तक नहीं होता था. चुनाव में अपने प्रत्याशियों के प्रचार के लिए साधन तक नहीं होता था. किसी तरह काम चलाया जाता था. आज स्थिति बदल चुकी है और झारखंड मुक्ति मोरचा तकनीक के उपयोग में किसी राष्ट्रीय पार्टी से पीछे नहीं है. पार्टी के निर्णय, नीतियों की जानकारी देने के लिए झारखंड मुक्ति मोरचा के पास सक्षम टीम है, जो सोशल मीडिया, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि का उपयोग करती है. यह प्रोफेशनल टीम है, जिसके पास हर तरह की जानकारी होती है. झामुमो के सभी नेता-कार्यकर्ता खुद ट्विट करते हैं. देश-दुनिया की किसी भी खबर पर प्रतिक्रिया या अपना पक्ष रखने के लिए झारखंड मुक्ति मोरचा को समय नहीं लगता. पल-पल की खबर उसे मिलती है. हर डाटा उसके पास उपलब्ध है, हर प्रमुख नेता की प्रोफाइल मीडिया टीम के पास रहती है. कंप्यूटर से निगाह रहती है. इससे निर्णय लेने में आसानी होती है. चुनाव के दौरान झारखंड मुक्ति मोरचा ने प्रचार वाहन को इतना साधन संपन्न बनाया था कि गांव-गांव तक वीडियो के माध्यम से पार्टी का संदेश आसानी से पहुंचा था.

झारखंड मुक्ति मोरचा झारखंड में सत्ता में तो है ही, उसने हाल के वर्षों में अपना जनाधार बहुत ज्यादा मजबूत कर लिया है. अब इसकी राष्ट्रीय पहचान है. अन्य राज्यों में इसके विस्तार का काम चल रहा है. ऐसे झारखंड के अलावा बिहार, बंगाल, ओड़िशा के कुछ हिस्सों में पहले से झारखंड मुक्ति मोरचा का प्रभाव रहा है. इन राज्यों के चुनाव में झामुमो प्रत्याशी उतारते रहा है और इसमें सफलता भी मिलती रही है. यह जानना चाहिए कि झारखंड मुक्ति मोरचा तमिलनाडु और पुंडुचेरी तक में चुनाव लड़ चुका है. शिबू सोरेन ने गत वर्ष यानी 2025 में पूरे तौर पर पार्टी का जिम्मा हेमंत सोरेन को सौंप दिया था. दो साल में झारखंड मुक्ति मोरचा को कल्पना सोरेन के रूप में एक ऐसा लीडर मिला है जो दुनिया बड़े से बड़े मंच पर अपनी बात को बहुत प्रभावशाली ढंग से रखने में सक्षम है. हाल के वर्षों में बड़ी-बड़ी बैठकों में उन्होंने पार्टी का प्रतिनिधित्व किया है. इससे हेमंत सोरेन पर भार कम हुआ है. हेमंत सोरेन खुद अध्यक्ष तो हैं ही, उनके पास विनोद पांडेय, सुप्रियो भट्टाचार्य जैसे विश्वासी नेता-कार्यकर्ता हैं जो पूरी जिम्मेवारी निभा रहे हैं. जाहिर है अब झामुमो बदल चुका है और आज के दौर में राजनीति करने के लिए जिस कौशल की जरूरत होती है, जिस प्रबंधन की जरूरत होती है, उसमें झामुमो पीछे नहीं है.

झामुमो की सबसे बड़ी ताकत है संघर्ष करने की उसकी क्षमता, आम आदमी से सीधा संपर्क करने का ताकत. शिबू सोरेन में यह कला थी. उनके भाषण को सुनने के लिए पचास-पचास किलोमीटर से लोग पैदल आते थे, घंटों इंतजार करते थे. ऐसा इसलिए क्योंकि वे झारखंड के लोगों के नब्ज को जानते थे. हाल में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में ऐसे अनेक फैसले हुए हैं जो सीधे जनता से जुड़े हैं. स्पष्ट है कि हेमंत सोरेन हों या झारखंड मुक्ति मोरचा के अन्य नेता, शिबू सोरेन की विचारधारा, उनके सोच, उनके सपनों को आगे बढ़ा रहे हैं. झारखंड मुक्ति मोरचा अब तेजी से देश के अन्य राज्यों में अपना विस्तार करने में लगा है. उसके पास अपना जनाधार है. हाल के कुछ वर्षों में हेमंत सोरेन ने मुश्किलों का सामना किया है और देश के मजबूत आदिवासी नेता के तौर पर अपनी पहचान बनायी है, उससे देश के आदिवासियों की उनसे अपेक्षाएं बढ़ी हैं. असम, ओड़िशा, बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश आदि राज्यों में आदिवासियों की संख्या अच्छी-खासी है. इन राज्यों में झामुमो के पास अवसर भी हैं और यह आनेवाले दिनों में चुनाव के दौरान दिखेगा.

झामुमो के पांच दशक का सियासी सफर

चंदन मिश्र

झारखंड अलग राज्य का आंदोलन करनेवाले राजनीतिक दल झारखंड मुक्ति मोर्चा अपनी स्थापना की 54 वीं वर्षगांठ दो फरवरी को मनायेगा। किसी भी क्षेत्रीय दल के लिए पांच दशक का लंबा कालखंड उसकी बहुत बड़ी उपलब्धि है। पांच दशक के कालखंड को पूरी सक्रियता से पूरा कर झामुमो एक ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में तब्दील हो चुका है। पहले दक्षिण बिहार और आज झारखंड की राजनीतिक में सबसे प्रासंगिक क्षेत्रीय राजनीतिक दल के रूप में झामुमो का कोई जोड़ नहीं है। आज झारखंड की राजनीतिक झारखंड मुक्ति मोर्चा के ईर्द- गिर्द घूम रही है। राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियां भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस उसके सामने संघर्ष करती दिख रही हैं। 81 सीटों वाली झारखंड विधानसभा में 2024 के विधानसभा चुनाव में सर्वाधिक सीटें लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा राज्य की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनकर उभर चुकी है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए इससे बड़ी उपलब्धि और क्या होगी। झामुमो में लगभग पांच दशक तक नेतृत्व करनेवाले शिबू सोरेन ने अपनी मृत्यु के पहले ही पार्टी की बागडोर अपने पुत्र और

राज्य और राजनीति

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सौंप कर दूरदर्शी निर्णय किया था। आज झारखंड मुक्ति मोर्चा का नेतृत्व एक युवा और ऊर्जावान नेता के जिम्मे है, जिन्होंने पिछले दो चुनावों में झारखंड समेत पूरे देश को अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय दे दिया है। आनेवाले दिनों में झामुमो झारखंड में सबसे बड़ी सियासी चुनौती के रूप में सभी दलों के सामने होगा।

झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना करनेवाले तीन शख्स में से आज कोई भी जीवित नहीं हैं, लेकिन उनकी ओर से जिस बीज को रोपा गया था, आज धीर-धीरे बढ़कर बरगद का रूप ले चुका है। झामुमो के संस्थापकों में शिबू सोरेन, बिनोद बिहारी महतो और एके राय ने एक

आनेवाले दिनों में झारखंड में रहनेवाले और बाहर के लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा के इतिहास का अध्ययन करेंगे। इतने लंबे सियासी सफर को निरंतर जारी रखने में सफल झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इस दरम्यान कई उतार-चढ़ाव देखे। पार्टी का नेतृत्व दल के अंदर और बाहर कई झंझावातों को झेलते हुए आज तक यहां पहुंचा। झारखंड में झामुमो की अगुवाई में इंडिया गठबंधन की वर्तमान सरकार चल रही है। जिस राजनीतिक दल को राजकीय और राष्ट्रीय पहचान मिली, उसके अगुआ शिबू सोरेन (उर्फ गुरुजी) हुआ करते थे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना 1972-1973 में शिबू सोरेन, बिनोद बिहारी महतो और एके राय द्वारा आदिवासी अस्मिता, जल-जंगल-जमीन के अधिकार और अलग झारखंड राज्य की मांग के लिए की गई थी। यह पार्टी राज्य में आदिवासी, शोषित और मूलवासियों की आवाज बनकर उभरी। 2000 में झारखंड राज्य के निर्माण में इसका बड़ा योगदान रहा और वर्तमान में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में यह एक प्रमुख सत्ताधारी दल है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा का संक्षिप्त इतिहास

स्थापना और उद्देश्य (1972-73): शिबू सोरेन ने 1972 में, और औपचारिक रूप से 1973 में बिनोद बिहारी महतो और एके रॉय के साथ पार्टी बनाई, जिसका प्राथमिक उद्देश्य आदिवासियों को महाजनों के शोषण से मुक्त करना और एक अलग राज्य प्राप्त करना था।

राज्य आंदोलन और संघर्ष-

झामुमो ने झारखंड राज्य के लिए कई दशकों तक आंदोलन चलाया। शुरुआत में पार्टी का मुख्य आधार आदिवासी और मूलवासी थे।

चुनाव और गठबंधन : 1980 में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर पार्टी ने बिहार विधानसभा में 11 सीटें जीतीं और पहली बार लोकसभा सीट हासिल की। बिहार के दक्षिण भू-भाग (आज का झारखंड) में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपनी राजनीतिक गतिविधियों को

झारखंड राज्य का गठन : वर्ष 2000 में, झारखंड के अलग राज्य बनने के बाद झामुमो ने राज्य की राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ बनाई। झामुमो धीरे-धीरे एक मजबूत क्षेत्रीय राजनीतिक दल बनता गया।

नेतृत्व और विकास : शिबू सोरेन तीन बार मुख्यमंत्री बने। इसके बाद, हेमंत सोरेन के नेतृत्व में पार्टी ने 2013, 2019 और 2024 में कांग्रेस के साथ गठबंधन में सत्ता हासिल की।

वर्तमान परिदृश्य (2024) : 2024 में, हेमंत सोरेन के इस्तीफे के बाद चंपाई सोरेन और फिर से हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झामुमो-कांग्रेस-राजद का महागठबंधन झारखंड में शासन कर रहा है।

झामुमो को ग्रामीण, आदिवासी और पिछड़ी जातियों के बीच गहरी पैठ के लिए जाना जाता है, जो संघर्ष से सत्ता के केंद्र तक पहुँचने वाली एक प्रमुख क्षेत्रीय पार्टी है।

वृहद राज्य का आंदोलन

शिबू सोरेन (गुरुजी) के नेतृत्व में पांच दशक से ज्यादा झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अलग राज्य के साथ-साथ वृहद राज्य का आंदोलन किया था। बिहार के साथ-साथ बंगाल, उड़ीसा और छत्तीसगढ़ के कुछ भू-भागों को लेकर वृहद झारखंड राज्य की परिकल्पना के साथ आंदोलन शुरू किया गया था। लेकिन यह वृहद झारखंड का सपना अधूरा ही रह गया। अंतत बिहार को ही दो हिस्सों में बांटकर एक हिस्सा झारखंड बना दिया गया।

कई साथ बिछड़े

झारखंड मुक्ति मोर्चा की शुरुआत से कई बड़े बड़े नाम वाले नेता इसके साथ जुड़े। लंबा संघर्ष किया। लेकिन धीरे-धीरे वैचारिक मतभेद और भटकाव के कारण कई साथी आधे रास्ते से ही निकल गये। कुछ साथी बिछड़ गये। लेकिन शिबू सोरेन अपनी कारवां को लेकर आगे बढ़ते रहे।

गुरुजी के सपने को साकार करना हेमंत सोरेन की जिम्मेवारी

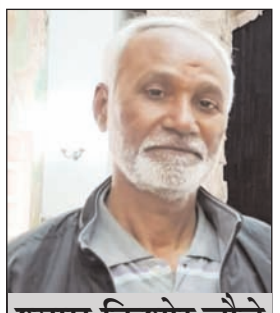

श्याम किशोर चौबे

राजनीतिक बुलंदियों के शिखर पर खड़े झारखंड मुक्ति मोर्चा यानी झामुमो के 54 वर्षों के इतिहास में यह पहला मौका होगा, जब इसका स्थापना दिवस समारोह शिबू सोरेन के बिना मनाया जाएगा। उनकी जगह पर बेशक जाने-पहचाने किंतु गमगीन से उनके मंझले पुत्र हेमंत सोरेन का चेहरा होगा। गमगीन इसलिए कि विगत 4 अगस्त 2025 को शिबू सोरेन का 81 साल की उम्र में देहांत हो गया था। जिस पुत्र के पिता का छह महीने पहले देहांत हो गया हो, वह अपने पिता की थाती के स्थापना दिवस पर गमगीन ही तो रहेगा। शिबू सोरेन, जिन्हें उनके काम-धाम, आचरण और बात-व्यवहार के कारण लोग गुरुजी कहते थे, ने बड़े जतन से झामुमो को संभाले रखा। इसी कारण वे झामुमो के प्रतीक पुरुष थे। कुछ अरसा पहले जब उनकी काया शिथिल पड़ने लगी, तभी अपनी यह थाती उन्होंने हेमंत के सुपुर्द कर दी थी।

यह याद कर लेना जरूरी है कि सामाजिक कार्यों के लिए गठित सोनोत समाज मंडल को अलविदा कह, शिबू ने झामुमो की स्थापना जाने-माने तत्कालीन दो राजनीतिक पुरुषों विनोद बिहारी महतो और एके राय के साथ मिलकर की थी। उस समय से ही इनका परम उद्देश्य था, बिहार से अलग कर पृथक झारखंड राज्य की स्थापना। हालांकि उनके काफी पहले से, 1915 के आसपास से ही, यह मांग किसी न किसी रूप में चलती रही थी, जिसे अन्य लोगां के अलावा जयपाल

सिंह गोमके, एनई होरो, बागुन सुम्ब्रई आदि परवान चढ़ाते रहे थे। लेकिन झामुमो के मैदान में आते-आते जयपाल सिंह का देहांत हो चुका था, और बाकी लोग या संगठन उस तीव्रता के साथ अपनी मांग को आंदोलन का वह रूप-स्वरूप न दे सके थे, जिसकी राजनीतिक जरूरत थी।

जैसा कि आमतौर पर होता है, राजनीतिक दलों में टूट-फूट और जोड़-तोड़ चलती रहती है, झामुमो में भी ये सभी कर्मकांड होते रहे। यह कई मर्तबा टूटा और कई बार इसको यहां तक कि अलग विचारधारा वाले संघटनों से भी समझौता करना पड़ा। लेकिन शिबू सोरेन, जो भी उनके साथ चलते रहे, उनको लेकर चलते ही रहे। यही उनकी खासियत थी। वे कभी मंद पड़े तो कभी उग्र भी हुए, कभी समझौता भी किया तो कभी सीधे तन कर खड़े रहे। कभी झारखंड राज्य की मांग और इसके आंदोलन से विमुख न हुए। ... और अंततः 15 दिसंबर 2000 को झारखंड राज्य अस्तित्व में आ गया। निश्चय ही, इस महान कार्य में भाजपा, कांग्रेस, वामदल, आजसू आदि की भी भूमिका रही, लेकिन इस राज्य के लिए सर्वाधिक सुदीर्घ काल तक आंदोलन चलाने का श्रेय शिबू सोरेन और झामुमो के ही नाम अंकित है।

झारखंड बना, तो कैसा बना, उसका ग्रोथ किस रूप में हुआ या हो रहा है, इस बात को थोड़ी देर के लिए विराम देकर, झामुमो के स्थापना दिवस पर हम सोचें तो यही पाते हैं कि शिबू सोरेन किंवर्दंति बन गये हैं। बिलकुल इतिहास पुरुष। जैसा कि आम तौर पर क्षेत्रीय दलां के साथ होता है, या अब तो राष्ट्रीय दल भी उसी लकीर पर चल निकले हैं, यह शिबू सोरेन का ही प्रताप था कि उनके तीनों बेटे और दो बहुएं राजनीति के क्षेत्र में उतरे और विधायक बने। इनमें मंझले पुत्र हेमंत सोरेन ने चार मर्तबा मुख्यमंत्री पद हासिल करने का गौरव प्राप्त किया। फिलहाल, वे चौथी मर्तबा मुख्यमंत्री हैं, और उनके ही नेतृत्व में इस बार का पार्टी स्थापना दिवस समारोह होना है।

शिबू सोरेन और उनके कतिपय जुझारू सहयोगियों ने झामुमो का जो ताना-बाना बुना, उसकी एक जबर्दस्त खासियत यह रही कि चाहे जिन भी कारणों से इस संघटन से जो लोग अलग हुए, उनमें इक्के-दुक्के ही सफल राजनेता साबित हो सके, अन्यथा बाकी लोगों की राजनीतिक यात्रा पर या तो विराम लग गया, या वे पुनः झामुमो में लौटने को विवश हो गये। अन्य दलों के सापेक्ष झामुमो के नेताओं में, चाहे जिस भी पद पर रहे हों, जनता से बिना तामझाम के जुड़ाव की घुट्टी पिलाई जाती रही, वही उनकी असल पूंजी बनी।

सवाल यह भी है कि शिबू सोरेन जिस व्यवस्था के हिमायती थे, जिस कॉज को लेकर वे अनथक परिश्रम करते रहे, वह अबतक हासिल हो सका है या नहीं! जल, जमीन, जंगल उनका नारा ही नहीं, मंत्र था और जन-जन तक शिक्षा, नशाबंदी और गांवों का विकास परम ध्येय था। इस कसौटी पर खरा उतरने में राज्य फिलहाल सफल नहीं हो सका है। शिबू सोरेन के उत्तराधिकारी जूनियर सोरेन यानी हेमंत सोरेन के सामने यह बड़ी चुनौती है।

यह अलग बात है कि चुनावी राजनीति में शिबू सोरेन ने जो मुकाम हासिल किया था, हेमंत उससे कहीं आगे निकल चुके हैं। इसके बावजूद जिस सामाजिक क्रांति की सोच शिबू पाले हुए थे, उसे पूरा करना हेमंत की जवाबदेही है। शिबू आंदोलन की उपज थे, हेमंत को राजनीति विरासत में मिली। शिबू की किस्मत में शायद राजयोग था ही नहीं। वे केंद्र में मंत्री बने, तब भी और अपने सपनों के झारखंड में तीन मर्तबा मुख्यमंत्री बने, तब भी ये महिमामंडित कुर्सियां उनके लिए बेहद अल्पकालिक साबित हुईं। दूसरी ओर हेमंत गठबंधन में ही सही, लगातार दो मर्तबा बहुमत और अपार बहुमत पाने में कामयाब रहे। इस लिहाज से राज्य ने उन पर बड़े दायित्व का बोझ डाला गया है। कम-अज-कम अपने पिता की सोच का झारखंड बना सके, तो निश्चय ही वे वाहवाही के हकदार होंगे।

भारत सरकार ने शिबू सोरेन को लंबे राजनीतिक और सामाजिक जीवन, आदिवासी अधिकारों की लड़ाई और झारखंड राज्य के गठन में अहम भूमिका निभाने के लिए मरणोपरांत देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से नवाजने की विगत 26 जनवरी को घोषणा कर अच्छा किया है, लेकिन वे इससे भी बड़े सम्मान के अधिकारी थे, जो झामुमो और झारखंड की मांग है।

झामुमो का 47वां स्थापना दिवस ऐतिहासिक होगा,मधुपुर से हजारों कार्यकर्ता दुमका होंगे रवाना : मंत्री हफीजुल हसन

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

मधुपुर । दुमका में आयोजित होने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा के 47वें स्थापना दिवस समारोह को लेकर रविवार को मधुपुर के बेलपाड़ा बस स्टैंड परिसर में प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण सह जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि इस वर्ष का स्थापना दिवस ऐतिहासिक रूप से यादगार होगा और मधुपुर विधानसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में झामुमो कार्यकर्ता व समर्थक दुमका पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। मंत्री हफीजुल हसन ने बताया कि 2 फरवरी को दुमका के गांधी मैदान में आयोजित स्थापना दिवस समारोह को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि झामुमो का स्थापना दिवस केवल एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि संघर्ष, विचारधारा और जनआंदोलन का उत्सव है। इस अवसर पर कार्यकर्ता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूरे जोश, उत्साह और अनुशासन के साथ दुमका रवाना होंगे।उन्होंने कहा कि झामुमो का पहला स्थापना दिवस 2 फरवरी 1989 को गुरुजी शिबू सोरेन ने मनाने की शुरुआत की थी, जो आज भी निरंतर और पूरे सम्मान के साथ मनाया जा रहा है। यह

दिन पार्टी के जुझारू कार्यकर्ताओं,नेताओं और समर्थकों के लिए एक पर्व की तरह होता है, जहां जनता की समस्याओं, अधिकारों और विकास के मुद्दों पर खुलकर चर्चा की जाती है। मंत्री ने कहा कि झामुमो हमेशा से आदिवासी, मूलवासी, अल्पसंख्यक, पिछड़े और शोषित वर्गों की आवाज रही है और स्थापना दिवस के मंच से पार्टी अपनी आगे की रणनीति और जनहित के संकल्प को और मजबूत करेगी। प्रेस वार्ता के दौरान पार्टी के नगर अध्यक्ष अल्ताफ हुसैन उर्फ बीके,पुर्व नगर अध्यक्ष प्रकाश मंडल, शाकिर अंसारी, संजय शर्मा, दिनेश्वर किस्कू,अबु तालिब अंसारी, मोहम्मद इमरान मोहम्मद रिजवान,मोहम्मद शाहिद उर्फ फैकु, मोहम्मद अकबर मोहम्मद मोजम्मील, मोहम्मद अख्तर, मोहम्मद सरफराज उर्फ बबलू, मोहम्मद ताज, आतिक जाफरी, मीडिया प्रभारी समीर आलम समेत वरिष्ठ पदाधिकारी, स्थानीय नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झामुमो के 47वें झारखंड दिवस की तैयारी पूरी

बजट पर दुमका और देवघर के आम व खास लोगों ने दी अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं

दुमका चैंबर ऑफ कॉमर्स ने बजट को सराहा

दुमका। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारामन द्वारा रविवार को प्रस्तुत वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति देने वाला दस्तावेज साबित होगा। इस बजट में उत्पादकता बढ़ाने, प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने और आर्थिक लचीलापन विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया है, जिससे देश की विकास दर न केवल तेज हो बल्कि दीर्घकालिक रूप से स्थिर भी बनी रहे। बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चेंबर ऑफ कॉमर्स, दुमका के अध्यक्ष मुश्ताक अली उर्फ 'खोखन दा' ने कहा कि यह बजट 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र को साकार करता है। सरकार ने हर परिवार, समुदाय और क्षेत्र तक संसाधनों एवं अवसरों की पहुंच सुनिश्चित करने का जो प्रयास किया है, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह बजट व्यवसायियों के लिए मिश्रित मुस्कान और भाव वाला है, जिसमें एक ओर विकास की दूरगामी संभावनाएं दिखती हैं तो दूसरी ओर चुनौतियों से निपटने के लिए संतुलित प्रावधान भी शामिल हैं।

बजट आम जनता के लिए निराशाजनक : डॉ. अमरेन्द

दुमका। राष्ट्रीय जनता दल के जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने केंद्रीय बजट 2026 को आम जनता के लिए निराशाजनक बताते हुए केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि यह बजट आम आदमी की जेब पर सीधा हमला है और इससे महंगाई से जूझ रही जनता को कोई राहत नहीं मिली है। डॉ. यादव के अनुसार मध्यम वर्ग, गरीब और निम्न आय वर्ग को इस बजट से बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन सरकार ने टैक्स स्लैब में किसी प्रकार की राहत न देकर जनता की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और घरेलू महंगाई के दौर में सरकार को आम नागरिकों को सुरक्षा और सहारा देना चाहिए था, लेकिन इसके विपरीत बजट में कॉर्पोरेट जगत और अमीर वर्ग को प्राथमिकता दी गई है।

बजट देश को नई ऊंचाई देगा : परितोष सोरेन

दुमका। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के बजट 2026 को लेकर खासा उत्साह देखा गया। शहर के पुराने भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण का सीधा प्रसारण देखा। इस दौरान पार्टी के पदाधिकारियों और विभिन्न मोर्चों के प्रतिनिधियों ने बजट के हर पहलू को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश परिषद सदस्य परितोष सोरेन ने कहा कि यह बजट देश की बुनियादी संरचना को नई ऊंचाई देगा। उन्होंने पूंजीगत व्यय में वृद्धि और ग्रामीण विकास के प्रावधानों को झारखंड जैसे राज्यों के लिए गेमचेंजर बताया। वहीं जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल ने इस बजट को युवाओं और महिलाओं के सपनों को पंख देने वाला बताया।

बजट में मध्यम वर्ग पर विशेष जोर : सचिन

दुमका। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट को आजसू पार्टी ने देश के समग्र विकास की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया है। पार्टी नेताओं का मानना है कि यह बजट विकास, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान करता है। बजट में गरीबों, किसानों, युवाओं और मध्यम वर्ग को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया है, जिससे नए भारत की मजबूत नींव तैयार होगी। आजसू पार्टी ने देशहित में लिए गए हर सकारात्मक निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि यह बजट आने वाले समय में आर्थिक मजबूती और सामाजिक संतुलन को गति देगा। उक्त बातें आजसू पार्टी के कार्यकारी जिला अध्यक्ष दुमका सह जिला प्रभारी गोड्डा सचिन कुशवाहा ने कही।

सुधारवादी और विकासोन्मुखी बजट : नीरज

भाजपा नेता नीरज प्रकाश ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर, स्वास्थ्य सेवाओं, ग्रीन एनर्जी, सेमीकंडक्टर मिशन और बायो-फार्मा जैसे क्षेत्रों के लिए किए गए प्रावधान देश की अर्थव्यवस्था को लंबे समय में मजबूती देंगे। उन्होंने इसे लोक-लुभावन नहीं बल्कि सुधारवादी और विकासोन्मुखी बजट बताया। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और आर्थिक अनुशासन का संतुलित उदाहरण है। लगभग सात प्रतिशत की निरंतर आर्थिक वृद्धि दर वैश्विक परिस्थितियों में भारत की आर्थिक ताकत को दर्शाती है।

पूंजीपतियों के लिए बनाया गया बजट : उदय प्रकाश

पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष उदय प्रकाश ने कहा कि यह बजट चंद पूंजीपति मित्रों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। आम लोगों के लिए इसमें कुछ खास नहीं है और गैर भाजपा शासित राज्यों, जिनमें झारखंड भी शामिल है, की अनदेखी की गई है। जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष मुन्नम संजय ने बजट को मजदूर, किसान और महिला विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं है और मजदूरों से जुड़ी योजनाओं को कमजोर किया गया है। महंगाई जैसी बड़ी समस्या से निपटने के लिए भी बजट में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है।

कॉरपोरेट घरानों को दी गई प्राथमिकता : मुकुंद

कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुकुंद दास ने आरोप लगाया कि बजट में बड़े उद्योगपतियों और कारपोरेट घरानों को प्राथमिकता दी गई है। गरीबों, श्रमिकों और किसानों के हितों की अनदेखी हुई है। महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए भी पर्याप्त आवंटन नहीं किया गया, जिससे आर्थिक व्यवस्था कमजोर होगी।

रोजगार सृजन की कोई स्पष्ट योजना नहीं : दिनेश

कांग्रेस के जिला महासचिव सह प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल ने कहा कि बजट में युवाओं और बेरोजगारों के लिए रोजगार सृजन की कोई स्पष्ट योजना नहीं है। शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई के क्षेत्र में भी कोई नया कदम नहीं दिखता। उनका कहना है कि बजट में निजीकरण को बढ़ावा साफ नजर आता है और कुल मिलाकर यह बजट निराशाजनक साबित हुआ है। कुल मिलाकर, बजट को लेकर देवघर में सियासी मतभेद साफ दिखाई दे रहे हैं, जहां एक पक्ष इसे विकास का रोडमैप बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे आम जनता के लिए निराशाजनक करार दे रहा है।

विकसित भारत की दिशा में मजबूत कदम : सचिन

भारतीय जनता पार्टी के देवघर जिला मीडिया प्रभारी सचिन सुल्तानिया ने वर्ष 2026 के केंद्रीय बजट को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखकर प्रस्तुत किया गया है। यह बजट कर्तव्यबोध से प्रेरित है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को समर्पित है। उन्होंने इसके लिए केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार और धन्यवाद प्रकट किया।

हाजी हुसैन अंसारी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

शिक्षा समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम : हफीजुल हसन

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

मधुपुर । विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पिपरा गाँव में हसन क्लब द्वारा आयोजित हाजी हुसैन अंसारी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण सह जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस ऐतिहासिक आयोजन में हज़ारों की संख्या में उमड़ी भीड़ ने पिपरा को खेल, एकता और उत्साह का केंद्र बना दिया।

मौके पर मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित

किया। साथ ही सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को भी सम्मान प्रदान किया गया। मंत्री ने कहा कि शिक्षा समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है, और उनके पिता स्वर्गीय हाजी हुसैन अंसारी शिक्षा के उत्थान के लिए आजीवन समर्पित रहे।

उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि अनुशासन, भाईचारा और आत्मविश्वास का प्रतीक है। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना का परिचय दिया, जो युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मंत्री ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा खेल, शिक्षा और युवाओं को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। फाइनल मुकाबले के बाद विजेता एवं उपविजेता टीम को मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने ट्रॉफी प्रदान की। आयोजकों ने भविष्य में टूर्नामेंट को और अधिक भव्य व व्यापक स्तर पर आयोजित करने की घोषणा की। सभी आयोजकों, खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

हिजला मेला 2026 की तैयारी को लेकर गांव में कुल्ही दुरुप, परंपरा और पहचान के संरक्षण पर जोर

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

दुमका। राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर हिजला गांव में रविवार को ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मंझी बाबा इमानुवेल हांसदा की अध्यक्षता में हुई कुल्ही दुरुप (बैठक) में मेला आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं, संताल समाज की सांस्कृतिक पहचान और मूल परंपराओं के संरक्षण पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के दौरान ग्रामीणों ने पूर्व में उपायुक्त सह अध्यक्ष एवं अनुमंडल पदाधिकारी सह सचिव, हिजला मेला समिति को सौंपे गए लिखित आवेदन में उठाई गई मांगों पर पुनः चर्चा की। ग्रामीणों का कहना था कि हिजला मेला संताल समाज की धार्मिक आस्था, संस्कृति और रीति-रिवाजों से गहराई से जुड़ा है, इसलिए मेला आयोजन में संताली भाषा की ओल-चिकी लिपि को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बैनर, पोस्टर, स्मारिका, आमंत्रण पत्र, प्रदर्शनी में प्रदर्शित सामग्री की जानकारी तथा मेला परिसर के कला मंचों के नाम ओल-चिकी लिपि में अंकित करने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई।

ग्रामीणों ने यह भी स्पष्ट किया कि मेला परिसर एवं पवित्र स्थल दिसोम मरांग बुरु थान में किसी अन्य धर्म से संबंधित फोटो, बैनर, प्रचार सामग्री या दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, ताकि सामाजिक समरसता और धार्मिक भावनाओं पर कोई प्रभाव न पड़े। साथ ही माननीय दुमका विधायक बसंत सोरेन की पहल से नवनिर्मित दिसोम मरांग बुरु थान के फोटो को सभी होर्डिंग और बैनरों में प्रदर्शित करने की मांग भी की गई।

बैठक में हिजला मेला समिति में गांव के प्रतिनिधियों को शामिल करने, मांझी थान और जाहेर थान के सौंदर्यीकरण, स्थायी घेराबंदी तथा मेला अवधि में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा गांव में लंबे समय से खराब पड़े सोलर चालित जल मीनार, चापाकल, नल जल आपूर्ति और बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग उठाई गई। मेला परिसर में स्थित पानी टंकी में लोहे का नल लगाकर उसे स्थायी रूप से चालू रखने की बात भी कही गई।

ग्रामीणों ने वर्ष 2025 के हिजला मेला के दौरान मंझी आवास (पुआल का घर) एवं गांव के स्वयंसेवकों के बकाया भुगतान की मांग दोहराई। साथ ही मेला के दौरान और मेला समाप्ति के बाद विशेष साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। ग्रामीणों का कहना था कि मेला के बाद फैली गंदगी और पॉलीथिन के कारण मवेशियों के बीमार होने और खेतों के खराब होने की घटनाएं सामने आती हैं।

मंझी बाबा इमानुवेल हांसदा ने ग्रामीणों को बताया कि अनुमंडल पदाधिकारी सह सचिव, हिजला मेला समिति की ओर से इन सभी मांगों पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया गया है। बैठक में दिलीप सोरेन, एमेल मरांडी, जयगणेश हांसदा, रूबिलाल हांसदा, बुद्धिलाल मरांडी, लाल हांसदा, विनय हांसदा, सोम हांसदा, प्रदीप हांसदा, विनोद हांसदा, नरेश सोरेन, सनत हांसदा, मनोज हेम्बरम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

देवघर की भलाई ही मेरा उद्देश्य : बाबा बलियासे

देवघर संताल एक्सप्रेस । समाजसेवा को ही अपना धर्म मानने वाले बाबा बलियासे ने प्रेस वार्ता में कहा कि उनका चुनाव लड़ने का कोई निजी उद्देश्य नहीं था, लेकिन देवघर की उपेक्षा और जनता की समस्याओं ने उन्हें मैदान में उतरने को मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि ÷देवघर को कोई देखने वाला नहीं है। जब हालात बिगड़ते हैं तो बड़े-बड़े लोग अपने गेट बंद कर लेते हैं, लेकिन मैं हमेशा जनता के बीच उपलब्ध रहा हूँ।÷उन्होंने बताया कि देवघर का आधार पर्यटन है और इसे सुंदर, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाना ही उनका मुख्य लक्ष्य है। बाबा बलियासे ने कहा कि श्रावणी मेले और साल भर आने वाले यात्रियों के साथ अच्छा व्यवहार हो, उनकी सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कोरिडोर परियोजना को लेकर कहा कि कम से कम नुकसान हो, इसके लिए वे लगातार प्रयास कर रहे हैं। अब तक 23 घर चिन्हित किए गए हैं जो प्रभावित होंगे। वीआईपी गेट से शिवराम झा चौक तक सौंदर्यीकरण और क्यू-कॉम्प्लेक्स का कार्य होगा।

कल्याणी डेंटल क्लीनिक का उद्घाटन

देवघर। शहर के बाइपास रोड स्थित पुरनदाहा क्षेत्र में कल्याणी डेंटल क्लीनिक का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य लोग, स्थानीय नागरिक और शुभचिंतक उपस्थित रहे। क्लीनिक परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। क्लीनिक का संचालन दंत चिकित्सक डॉ. कल्याणी संगीता द्वारा किया जाएगा। क्लीनिक में दांतों की जांच, सफाई, फिलिंग, रूट कैनाल, दांत निकालना, कृत्रिम दांत सहित आधुनिक दंत उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उद्घाटन के मौके पर बताया गया कि मरीजों को किफायती दरों पर बेहतर और सुरक्षित इलाज उपलब्ध कराना क्लीनिक का मुख्य उद्देश्य है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में दंत चिकित्सा सुविधा शुरू होने पर प्रसन्नता जताई और इसे आमजन के लिए लाभकारी बताया। उद्घाटन समारोह के दौरान आगंतुकों ने क्लीनिक की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और चिकित्सकीय सुविधाओं की सराहना की।

खड़ारा टीम ने जीती आदर्श लक्ष्य ट्रॉफी

देवघर संताल एक्सप्रेस । देवीपुर प्रखंड के मेझलाडीह मैदान में धर्मेंद्र सिन्हा मेमोरियल क्रिकेट क्लब, तिलजोरी के तत्वावधान में आयोजित तिलजोरी प्रीमियर लीग सीजन-6 (आदर्श लक्ष्य ट्रॉफी) का फाइनल मुकाबला बड़े ही रोमांचक माहौल में संपन्न हुआ। फाइनल मैच खड़ारा टीम और जनकपुर टीम के बीच खेला गया,जिसमें दर्शकों को जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। फाइनल मुकाबले में जनकपुर टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 10 ओवर में 72 रन बनाकर खड़ारा टीम के सामने लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए खड़ारा टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और मात्र 6 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह खड़ारा टीम ने आदर्श लक्ष्य ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

साइबर ठगी का एक आरोपी गिरफ्तार

देवघर। जिले में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक सौरभ के आदेशानुसार और पुलिस उपाधीक्षक राजा कुमार मित्रा के निर्देश में 31 जनवरी 2026 को देवीपुर थाना क्षेत्र से एक साइबर अपराधकर्मी को गिरफ्तार किया गया। मामला देवीपुर थाना कांड संख्या 168/24, दिनांक 23 नवंबर 2024 से जुड़ा है। इस कांड में आर्म्स एक्ट के तहत नामजद अभियुक्त अभिषेक कुमार दास को उसके घर से पकड़ा गया था। पूछताछ के दौरान परिजनों की ओर से उच्च न्यायालय, झारखंड रांची का जमानत आदेश दिखाया गया। इसके बाद आरोपी के पास से बरामद मोबाइल और सिम कार्ड की प्रारंभिक जांच कराई गई, जिसमें साइबर अपराध से जुड़े अहम साक्ष्य और क्राइम लिंक सामने आए।

भारत सेवाश्रम संघ में वैदिक शांति यज्ञ

रानीश्वर (दुमका) । मानव सेवा और आध्यात्मिक जागरण के प्रतीक भारत सेवाश्रम संघ के पाथरा आश्रम में माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर भव्य वैदिक शांति यज्ञ का आयोजन श्रद्धा और विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। यह आयोजन संघ के संस्थापक आचार्य श्रीमत स्वामी प्रणवानंद जी महाराज की प्रेरणा से प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जो वर्ष 2004 से निरंतर चला आ रहा है। कार्यक्रम संघ के सचिव स्वामी नित्यव्रतानंद जी महाराज तथा स्वामी अर्नवानंद जी महाराज के सान्निध्य और अगुवाई में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में चंचल पांडा, पांचूदेव राउत, देवाशीष राय, शिक्षक जयदेव दे, प्रणव कुमार भक्त, पार्थ राउत, बोध बोदरा, प्रमिला टुडू, स्वर्णलता मरांडी, पनमोनी माझी, पार्वती महतो, सुभाषिनी सिंह, मंगल हांसदा, सुजाता हांसदा सहित आश्रम विद्यालय के छात्र-छात्राएं भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

38 वर्षों की सेवा के बाद दो शिक्षिकाएं हुई सेवानिवृत्त

दुमका । दुधानी स्थित हिंदी माध्यमिक विद्यालय परिसर में रविवार को एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दो शिक्षिकाओं पूनम कुमारी एवं पुष्पलता के सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोजित किया गया था। पूनम कुमारी ने शिक्षा के क्षेत्र में 38 वर्षों तक अपनी समर्पित और उत्कृष्ट सेवाएं दीं, जिसका समापन 31 जनवरी 2026 को हुआ। समारोह के दौरान विद्यालय के शिक्षकगण और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वक्ताओं ने पूनम कुमारी के लंबे कार्यकाल और शिक्षा के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। इसके साथ ही, पूनम कुमारी और पुष्पलता के योगदानों को भी याद किया गया।

मिठाई दुकान से आईफोन चोरी

मधुपुर । थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधी चौक स्थित शिव शंकर स्वीट दुकान से एक महिला का आईफोन मोबाइल चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में सिमरातरी की रहने वाली निशा कुमारी ने मधुपुर थाना में आवेदन देकर अज्ञात चोर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।आवेदिका निशा कुमारी ने पुलिस को बताया कि वह सुबह करीब 10ः00 बजे गांधी चौक स्थित शिव शंकर स्वीट दुकान में नाश्ता करने के लिए पहुंची थीं। नाश्ता करने के बाद जब वह दुकान से उठीं तो उन्होंने देखा कि उनका आईफोन मोबाइल गायब है। काफी खोजबीन करने के बाद भी मोबाइल का कोई पता नहीं चल सका, जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना मधुपुर थाना को दी ।

सामाजिक समरसता का संगम बना माघी पूर्णिमा उत्सव

मधुपुर । शहर के वार्ड संख्या 15 अंतर्गत 52 बीघा मोहल्ला स्थित देवालय बंधु आश्रम परिसर में आयोजित तीन दिवसीय माघी पूर्णिमा सह श्री श्रीधर नारायण जी का 91वाँ वार्षिक उत्सव रविवार को श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन के साथ विधिवत संपन्न हो गया। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती रही। उत्सव के समापन दिवस की शुरुआत रविवार को सुबह श्रीधर नारायण जी के महास्नान से हुई। इसके पश्चात आरती, भजन-कीर्तन एवं वंदना के साथ वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। सुबह श्रद्धालुओं द्वारा भव्य प्रभातफेरी निकाली गई, जो शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए पुनः देवालय बंधु आश्रम पहुंची।

बजट पर देवघर के युवाओ ने दी अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं

रामा कान्त मालवीय

समावेशी अर्थव्यवस्था का बजट : चंदन

-वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट को देश की अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास करने वाला बजट कहा जा सकता है। इस बजट में युवाओं, महिलाओं, किसानों और बुजुर्गों के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगभग 800 जिलों में महिला हॉस्टल खोलने की योजना सराहनीय है। पर्यटन के माध्यम से रोजगार सृजन हेतु पूर्वोदय राज्यों में पांच पर्यटन स्थलों की स्थापना से आधारभूत संरचना मजबूत होगी। चिकित्सा क्षेत्र में कैंसर की 17 दवाओं को सस्ता करना और मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र स्थापित करना अहम कदम है। रेल, जलमार्ग और औद्योगिक गलियारों के विस्तार से समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

— चंदन कुमार वर्मा
रिसर्च स्कॉलर, एस.के.एम. यूनिवर्सिटी, दुमका (अर्थशास्त्र विभाग)

युवाओं के सपनों को उड़ान देने वाला बजट : राजेन्द्र

इस बार का केंद्रीय बजट देश के युवाओं के लिए नई दिशा और नए अवसर लेकर आया है। सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि आने वाला भारत युवा-शक्ति के कंधों पर खड़ा होगा। बजट में शिक्षा, कौशल विकास, स्टार्ट-अप और रोजगार पर विशेष फोकस किया गया है। डिजिटल स्किल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेक्नोलॉजी, ग्रीन जॉब्स और उद्यमिता को बढ़ावा देकर युवाओं को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने का प्रयास सराहनीय है। स्टार्ट-अप और स्वरोज़गार के लिए आसान ऋण, प्रशिक्षण और डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने से युवा अब केवल नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजक भी बन सकेंगे। ग्रामीण और छोटे शहरों के युवाओं के लिए स्किल ट्रेनिंग योजनाएँ आर्थिक समानता की दिशा में मजबूत कदम हैं। हालांकि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। यदि यह सफल रहा, तो यह बजट आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत करेगा।

— राजेन्द्र कुमार
सामाजिक कार्यकर्ता (राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त)

राष्ट्रहित की स्पष्ट झलक दिखाता है बजट : रोशन

केंद्रीय बजट 2026 सरकार की नीतिगत दृढ़ता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। वैश्विक स्तर पर अमेरिका से जुड़ी ट्रेड डील और अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद सरकार ने आत्मनिर्भर भारत के हित में साहसिक और स्वतंत्र निर्णय लिए हैं। यह बजट इस बात का संकेत है कि भारत की आर्थिक नीतियाँ किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से संचालित होंगी।

रक्षा क्षेत्र के बजट में 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि भारत की सुरक्षा, स्वदेशी रक्षा उत्पादन और सामरिक मजबूती को नई दिशा देगी। साथ ही शिक्षा एवं रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर दिया गया विशेष जोर यह दर्शाता है कि सरकार ज्ञान, नवाचार और तकनीकी आत्मनिर्भरता में दीर्घकालिक निवेश कर रही है। अल्पकालिक बाजार प्रतिक्रियाओं से इतर यह बजट भारत की दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती और सुरक्षा की ठोस नींव रखता है।

— रोशन कुमार मिश्र
रिसर्च स्कॉलर, गायत्री नगर, जसीडीह, देवघर

भविष्य की राह तय करता है बजट : सचिन

भाजपा देवघर जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 देश की जरूरतों और भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर पेश किया गया है। बजट में आमजन से लेकर हर वर्ग के हितों को स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट जिम्मेदारी की भावना के साथ विकास को आगे बढ़ाने वाला है और वर्ष 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर व विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को दिशा देता है। उन्होंने इस बजट के लिए केंद्रीय नेतृत्व के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

राढ़ी कायस्थ संगठन की बैठक में होली मिलन और महिला प्रकोष्ठ गठन पर फैसला

दुमका। नगर के शास्त्री नगर बंदरजोरी स्थित उपाध्यक्ष उज्जवल कुमार दत्ता के आवास पर रविवार को अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समाज की मजबूती और विस्तार को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 1 मार्च को भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। संगठन की जड़ों को मजबूत करने के लिए प्रत्येक परिवार के बीच व्यापक सदस्यता अभियान चलाने पर भी सहमति बनी। समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए महिला प्रकोष्ठ और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया आयाम देने के लिए सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के गठन का फैसला लिया गया। बैठक में महिलाओं की भारी उपस्थिति ने संगठन की सक्रियता को और मजबूती प्रदान की। इस अवसर पर संरक्षक अजय कुमार दास, संजय कुमार घोष, संजीव कुमार दास, अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार घोष, महासचिव उत्तम कुमार दास गुड्डू, कोषाध्यक्ष गोपाल सिंहा, उपाध्यक्ष उज्जवल कुमार दत्ता सहित धनंजय कुमार दास, प्रतुल रंजन दास, राजेश चंद्र दत्त, चंद्रशेखर सिन्हा, कृष्ण कुमार दत्ता, प्रवीन रंजन दास, बिट्टू कुमार दत्ता, रोशन चंद्र दत्त, अंशिका प्रिया दास, लक्ष्मी दत्ता और आरती कुमारी जैसे कई सदस्य उपस्थित रहे।

दुमका अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

दुमका। शहर के व्यस्ततम पोखरा चौक इलाके में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब रविवार सुबह एक गुमटी के पीछे एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया। स्थानीय लोगों द्वारा शव देखे जाने के बाद तुरंत इसकी सूचना नगर थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से शिनाख्त कराने की कोशिश की, लेकिन काफी प्रयासों के बाद भी मृतक की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने प्रारंभिक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है ताकि मौत के कारणों और व्यक्ति की पहचान का पता लगाया जा सके।

क्रिकेट टूर्नामेंट : बाबा एलेवन सरैयाहाट बनी चैंपियन

सरैयाहाट। सरैयाहाट के गुरूनाथपहाड़ी मैदान में रविवार को युवा क्रिकेट क्लब सरैयाहाट के तत्वावधान में आयोजित एसपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन हुआ। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला बाबा एलेवन सरैयाहाट एवं नीरज एलेवन चरकापाथर के बीच खेला गया, जिसमें बाबा एलेवन सरैयाहाट की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नीरज एलेवन चरकापाथर को पराजित कर शिल्ड पर कब्जा जमाया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि समाजसेवी मनोज कुमार मंडल ने विजेता टीम को शिल्ड एवं नकद राशि प्रदान कर सम्मानित किया, जबकि विशिष्ट अतिथि पूजा गुप्ता के द्वारा उपविजेता टीम को शिल्ड व पुरस्कार राशि देकर पुरस्कृत किया गया। टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शौरभ कुमार को मैन ऑफ द मैच, शौरभ शर्मा को मैन ऑफ द सीरीज एवं बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार दिया गया, वहीं अफरीदी को बेस्ट बॉलर घोषित किया गया।

आग की चपेट में आने घर जलकर राख

गोपीकांदर। प्रखंड के खेड़ीबाड़ी गांव में रविवार सुबह एक हृदयविदारक घटना घटी, जहाँ विजय सोरेन नामक ग्रामीण का घर भीषण आग की चपेट में आने से पूरी तरह जलकर खाक हो गया। इस अगलगी में घर के अंदर रखा सारा कीमती सामान राख के ढेर में तब्दील हो गया है, जिससे पीड़ित परिवार के पास अब सिर छिपाने की जगह भी नहीं बची।

माघी पूर्णिमा पर गंगा स्नान को उमड़ी भीड़

पाकुड़। माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर पाकुड़ से पश्चिम बंगाल के फरक्का और धूलियान गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। अहले सुबह से ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए घाटों पर पहुंचने लगे और हर-हर गंगे के जयघोष के साथ आस्था की डुबकी लगाई।मान्यता है कि माघी पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के चलते पाकुड़ जिले सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिला, पुरुष व बच्चे गंगा घाट पहुंचे।गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

जेल की सुरक्षा व्यवस्था का औचक निरीक्षण
छापेमारी में नहीं मिला कोई आपत्तिजनक सामान

संताल एक्सप्रेस संवाददाता पाकुड़।उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी के निर्देशानुसार शनिवार देर रात अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी के नेतृत्व में कई थानों की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मंडल कारा में विशेष औचक छापेमारी अभियान चलाया गया। सर्च अभियान के दौरान कारा अधीक्षक भी उपस्थित रहे।अधिकारियों एवं पुलिस बल ने पुरुष एवं महिला कैदी सेल, कैदी अस्पताल, किचन सहित मंडल कारा के सभी महत्वपूर्ण वार्डों और स्थानों का विस्तार से निरीक्षण किया। तलाशी के दौरान किसी भी प्रकार का आपत्तिजनक, प्रतिबंधित अथवा संदिग्ध सामान बरामद नहीं हुआ, जिससे जेल की सुरक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ एवं नियंत्रित रहने की पुष्टि होती है।निरीक्षण उपरांत अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी ने बताया कि यह कार्रवाई जेल में विधि- व्यवस्था एवं सुरक्षा मानकों की नियमित समीक्षा के उद्देश्य से की गई। निरीक्षण में सभी वार्ड नियम-संगत पाए गए तथा किसी प्रकार की कोई अवैध गतिविधि दृष्टिगोचर नहीं हुई। अनुमंडल पदाधिकारी ने कैदियों से संवाद भी स्थापित किया, जहां किसी ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। जेल परिसर की साफ-सफाई, अस्पताल व्यवस्था, भोजन व्यवस्था एवं अन्य सुविधाएं संतोषजनक व मानकों के अनुरूप पाई गईं।मौके पर अंचलाधिकारी, पाकुड़, नगर थाना प्रभारी सहित पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

माघी पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने उमड़ी भीड़

साहिबगंज - माघी पूर्णिमा को लेकर रविवार की अहले सुबह से ही साहिबगंज नगर के मुक्तेश्वर धाम के सीढ़ी घाट, शकुंतला सहाय गंगा घाट, पुरानी साहिबगंज गंगा घाट,चानन गंगा घाट पर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी.मिली जानकारी के अनुसार साहिबगंज हके विभिन्न गंगा घाटों पर अहले सुबह से दोपहर तक लगभग 14 से 15 हजार लोगो ने डुबकी लगाई. वहीं महिला , पुरुष व बच्चो ने गंगा स्नान करने के बाद मंदिरों में पूजा अर्चना की.

झामुमो स्थापना दिवस के लिए बरहेट प्रखंड कार्यालय में बनी योजना

संताल एक्सप्रेस संवाददाता बरहेट- झामुमो प्रखंड कार्यालय बरहेट में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी की अध्यक्षता में पार्टी स्थापना दिवस कार्यक्रम दुमका के सफल आयोजन के लिए बैठक हुई.बैठक में प्रखंड अध्यक्ष श्री मरांडी ने बैठक को संबोधित करते हुए सभी पंचायत अध्यक्ष, सचिव एवं कार्यकर्ताओं से दो फरवरी को आयोजित पार्टी के स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने की अपील की.बैठक में प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान ने जानकारी दिया कि स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए पार्टी की ओर से सभी पंचायतों के कार्यकर्ताओं हेतु बस की व्यवस्था की गई है.सभी कार्यकर्ता बस के माध्यम से दुमका जाएंगे.बैठक के उपरांत झामुमो प्रखंड कमेटी द्वारा प्रस्तावित पिकनिक सह मिलन समारोह कार्यक्रम के लिए स्थल चयन को लेकर पार्टी पदाधिकारियों ने संभावित स्थलों का निरीक्षण किया. मौके पर जिप अध्यक्ष सह झामुमो नेत्री मोनिका किस्कू, जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम, जिप सदस्य जेठा मुर्मू, सुनिराम हांसदा, लुखिराम हेंब्रम, सुनील सोरेन, अब्दुल मजीद, एजाज अंसारी, शमीम अंसारी, गुंजन सिंघानिया, लड्डू भगत, बाबुधन टुडू, मुश्ताक अंसारी, सलमान कौशर अंसारी, बेला किस्कू, सेलिना मरांडी अर्शद अंसारी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे.

नगर में उपद्रव, आगजनी और तोड़फोड़ करने वाले एक गिरफ्तार

पाकुड़ । नगर थाना क्षेत्र में 27 जनवरी को हुए सड़क दुर्घटना के बाद हुए उपद्रव आगजनी तोड़फोड़ , आदि के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तकनीकी मदद से महुआडांगा निवासी अजय प्रमाणिक उर्फ अजय ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है। इस पर उपद्रव आगजनी तोड़फोड़ एवं लोगों को उसकाने का आरोप है। मालूम हो कि 27 जनवरी को डी पी एस की बस से एक युवक की मौत हो गई थी। मौत के बाद मुआवजे की मांग को लेकर आक्रोशित भीड़ सड़क पर उतर कर हिंसक प्रदर्शन करने लगे। डीपीएस स्कूल में पथराव किया। जगह-जगह सड़कों पर आग लगा दी थी ।पूरी तरह से आवागमन ठप कर दिया गया था। इस संबंध में नगर थाना में कांड संख्या 16/26 और 17/26 दर्ज की गई है। इन दोनों मामलों में करीब 90 नामजद और 500 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। प्रशिक्षु डीएसपी अजय आर्यन ने नगर थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम में नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता, पुलिस निरीक्षक सनी सुप्रभात और अभिषेक कुमार शामिल थे। टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर छापेमारी कर अजय प्रमाणिक को गिरफ्तार किया। हे।डीएसपी अजय आर्यन ने बताया कि जल्द ही और गिरफ्तारियां होंगी।

पाकुड़ डीसी ने की समीक्षात्मक बैठक

संताल एक्सप्रेस पाकुड़। नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न कोषांगों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की। बैठक में निर्वाचन से जुड़ी तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्वाचन के लिए गठित विभिन्न कोषांगों के वरीय एवं नोडल पदाधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का समयबद्ध एवं सुचारु निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी नोडल पदाधिकारियों को अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो। उन्होंने सभी कोषांगों को एक्टिव मोड में रहकर अपने-अपने कार्यों का प्रभावी ढंग से निष्पादन करने पर बल दिया। बैठक में उपायुक्त ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र एवं समाहरणालय परिसर के आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके। उन्होंने जानकारी दी कि बाजार समिति परिसर में ही मतदान कर्मियों के लिए बज्रगृह, डिस्पैच एवं रिसीविंग सेंटर तथा मतगणना केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा उपायुक्त ने वाहन कोषांग के नोडल पदाधिकारी को निर्वाचन कार्य हेतु आवश्यक वाहनों का समुचित आकलन करते हुए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में संलग्न सभी पदाधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्वाचन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

गुरुजी की गैर मौजूदगी में पहली बार स्थापना दिवस मनाएंगे: झामुमो

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

पाकुड़। दिशोम गुरु शिबू सोरेन (गुरूजी) के बिना झामुमो का 47वां स्थापना दिवस सोमवार को दुमका के गांधी मैदान में उनकी यादों, आदर्शों और विचारों को समर्पित कर मनाया जाएगा। कार्यकर्ताओं को भावनात्मक रूप से एकजुट करते हुए, इस बार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में ऐतिहासिक भीड़ जुटाकर, घर-घर झंडा लगाकर और टमाक की गूंज के साथ इसे एक बड़ी श्रद्धांजलि के रूप में मनाया जाएगा। पाकुड़ से भी सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। 500 से अधिक वाहनों से कार्यकर्ता शामिल होंगे। झारखंड आंदोलन के अग्रदूत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के देहांत के बाद पहली बार उनकी गैरमौजूदगी में यह आयोजन हो रहा है। ऐसे में झामुमो के सामने यह सबसे बड़ी चुनौती है कि वह गुरुजी के बिना भी उतनी ही या उससे अधिक भीड़ जुटाएंगे। पार्टी नेताओं का दावा है कि गुरुजी की अनुपस्थिति के बावजूद जनसैलाब और उत्साह में कोई कमी नहीं आएगी और यह आयोजन पहले से भी अधिक भव्य व ऐतिहासिक होगा।

झामुमो पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने दी राय....

1. झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने बताया कि गुरूजी के बिना उसके आस्था में कार्यकर्ताओं का जमावड़ा होंगे। 500 से अधिक वाहनों में कार्यकर्ता शामिल होंगे। झामुमो का 47वां स्थापना दिवस इतिहासिक होगा।

2. सांसद प्रतिनिधि सह पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम यादव ने बताया कि भले ही गुरुजी हमारे बीच नहीं है। उसके बावजूद कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक संख्या में दुमका पहुंचने का आह्वान किया गया है ताकि गुरुजी के बिना भी भव्य कार्यक्रम हो सके।

3. झामुमो कार्यकर्ता हबिबुर रहमान ने बताया कि गुरुजी की उपस्थिति न होने पर भी उनके विचारों और संघर्षों को केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन के माध्यम से कार्यक्रम में याद किया जाएगा।

4. प्रखंड अध्यक्ष मुसलेउद्दीन शेख ने बताया कि झारखंड आंदोलन के अग्रदूत को याद करते हुए टमाक की गूंज और पारंपरिक आदिवासी नृत्य-संगीत के साथ स्थापना दिवस मनाया जाएगा। जो उनकी परंपरा को आगे बढ़ाएगा।

5. झामुमो जिला उपाध्यक्ष पीटर मरांडी ने बताया कि गुरुजी के सपनों का झारखंड बनाने का संकल्प लेकर इस बार का 47वां स्थापना दिवस उनके प्रति सम्मान के रूप में आयोजित किया जा रहा है। जिले भर से कार्यकर्ता शामिल होंगे।

राजमहल अध्यक्ष पद के लिए होगी कड़ी टक्कर

संताल एक्सप्रेस

राजमहल- राजमहल नगर निकाय चुनाव की घोषणा होने के बाद से ही राजमहल में राजनीतिक सरगर्मी लगातार तेज होती जा रही है. प्रत्याशियों का नामांकन की प्रक्रिया शुरू होते ही चुनावी माहौल पूरी तरह सक्रिय हो गया है. इस बीच अध्यक्ष पद के लिए कई प्रत्याशी नामांकन प्रपत्र लेकर चुनावी मैदान में उतरे हैं. जिसमें मुख्य रूप से निवर्तमान नगर अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख, पूर्व नगर अध्यक्ष भावना गुप्ता, भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल के धर्मपत्नी माधवी लता मंडल सहित कई लोग अपने अपने अंदाज और रणनीति के साथ चुनावी मैदान में है. प्रत्याशी अलग-अलग तरीकों से जनता का समर्थन जुटाने में लगी है. साथ ही अपनी मजबूत दावेदारी पेश

कर रही हैं.

अध्यक्ष पद की दावेदार पूर्व नगर अध्यक्ष भावना गुप्ता दो फरवरी को अपना नामांकन दाखिल करेगी. नामांकन से पूर्व अपनी चायपाड़ा स्थित आवास से समर्थकों के साथ पैदल यात्रा निकालेगी . जिसमें काफी संख्या में समर्थकों की पहुंचने की बात सामने आ रही है. उनके समर्थकों का कहना है कि यह यात्रा जनता के बीच उनकी लोकप्रियता और जमीनी पकड़ को दर्शाएगी. एवं इनके कार्यकाल में नगर पंचायत क्षेत्र के जनता के लिए जो कार्य किया गया था. उन्हें लोगों तक बताने का कार्य करेगी. वहीं दूसरी ओर निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख तीन फरवरी को अपना नामांकन पर्चा समर्थकों के साथ दाखिल करेगी. एवं उनके कार्यकाल में किए गए नगर पंचायत में विकासशील कार्यों को लेकर जनता के बीच पहुंचेंगे.

साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लगातार सक्रिय हैं. सोशल मीडिया के जरिए वे युवाओं, महिलाओं और नगर पंचायत क्षेत्र के मतदाताओं से जुड़कर अपनी दावेदारी को ओर मजबूत कर रही हैं. उनके अभियान में विकास, स्वच्छता और नगर की बुनियादी सुविधाओं को लेकर प्रमुख मुद्दे बताए जा रहे हैं.एवं लगातार मातृशक्ति के साथ क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं माधवी लता मंडल 3 फरवरी या 4 फरवरी को अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेगी. बताया जा रहा है कि उनके नामांकन के दिन बड़ी संख्या में मातृशक्ति मौजूद रहेंगी एवं लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क अपने तरीके से कर रही है. जिससे उनकी चुनावी ताकत और जनसमर्थन का प्रदर्शन होगा.

सभी प्रत्याशी अपने-अपने तरीके से क्षेत्र में मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं. एवं सभी प्रत्याशियों के लिए शहरी जलापूर्ति योजना को लेकर एक सबसे बड़ी चुनौती सामने आएगी

पिछले कई वर्षों से शहरी जिला पूर्ति योजना बाधित है और लोगों को खरीदा हुआ पानी पीने को मजबूर है. क्षेत्र की जनता इस बार किसे चुनेगी. यह तो आने वाले 27 फरवरी को ही पता चलेगा.

बजट पर साहिबगंज के बुद्धिजीवियों की प्रतिक्रिया विकसित भारत अपने के लक्ष्य की ओर बढ़ा

संताल एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज -केंद्रीय बजट पेश हो जाने के बाद साहिबगंज के बुद्धिजीवियों की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं.बजट में किसी को महंगाई से राहत की उम्मीद दिख रही है.वही बजट को लेकर लोगो ने कहा कि केंद्रीय बजट में विकासोन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देने पर दिया गया है.साथ ही कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है.जिससे युवाओं को फायदा होगा.आम बजट में एजुकेशन पर मेगा प्लान का लक्ष्य दिख रहा है.जो युवाओं व बेरोजगारो को ध्यान में रखकर बनाया गया है.वही लोगो ने कहा कि यह बजट विकास के प्रति समर्पित बजट है. सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कौशल विकास और शैक्षणिक पहुंच को प्राथमिक प्राथमिकता दी है. यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रेषित बजट है. बजट में बुनियादी ढांचे डिजिटल अर्थव्यवस्था पूंजीगत निवेश पर जोर दिया गया है. आने वाले समय बताएंगे कि जारी बजट आम लोगों की जिंदगी में कितनी राहत और बदलाव ला पाते हैं.

बजट संतुलित एवं विकासोन्मुख- डॉ सच्चिदानंद

साहिबगंज - 2026 -27 के लिए प्रस्तुत बजट संतुलित एवं विकासोन्मुख है.विशेषकर बजट में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया है. ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और डिजिटल संसाधन लॉन्च किया जा रहे हैं. ताकि शिक्षा सभी को आसानी से पहुंच सके.इसके अतिरिक्त उच्च शिक्षा संस्थानों को मजबूत बनाने और कौशल विकास कार्यक्रमों पर जोर दिया गया है. विशेष कर 2026 के बजट में पांच नए विश्वविद्यालय टाउनशिप की घोषणा की गई है. यह टाउनशिप प्रमुख औद्योगिक लॉजिस्टिक के पास होगी. ताकि शिक्षा और रोजगार के बीच सीधा संबंध जोड़ा जा सके.बजट में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिले में बालिका छात्रावास स्थापित करने पर भी जोर दिया गया है. जिससे बालिका शिक्षा को बढ़ावा और प्रोत्साहन का बजट में पर्याप्त प्रावधान किया गया है.

डॉ सच्चिदानंद, पूर्व प्रधानाचार्य सह सचिव झारखंड राजभाषा साहित्य अकादमी.आम बजट 2026 में एजुकेशन के लिए 13 9289 करोड़ का मेगा प्लान- धमेंद्र

साहिबगंज - देश में आम बजट 2026 में इस बार खास तौर पर युवाओं और बेरोजगारों का ध्यान रखा गया है. नई नौकरी के अवसर बढ़ाने से लेकर उद्यमिता के लिए भी कई योजनाओं का ऐलान निर्मला सीतारमण ने की है .निजी विश्वविद्यालय को खोलने में सरकार सहायता देगी जिससे शिक्षा सुलभ होगी. देश के प्रत्येक जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल खोला जाएगा.वहीं शिक्षा बजट में सरकार ने 8.27 फ़ीसदी की बढ़ोतरी की है.

धर्मेंद्र कुमारप्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा झारखंड

बजट विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसित है: डॉ रंजीत

डॉ रंजीत कुमार साहिबगंज -केंद्रीय बजट 2026-27 में सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में कौशल विकास और शैक्षिक पहुंच को प्राथमिकता देते हुए आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की है.उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख तक के ऋण पर 3 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी, प्रत्येक जिले में आधुनिक गर्ल्स हॉस्टल निर्माण, पीएम-श्री स्कूलों के डिजिटलीकरण तथा पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप और 5,000 मासिक भत्ता देने जैसी घोषणाएं इस दिशा में अहम कदम मानी जा रही हैं. डॉ रंजीत कुमार सिंह प्राचार्य राजमहल मॉडल कॉलेज साहिबगंज.

बजट में बुनियादी ढांचे, डिजिटल अर्थव्यवस्था पूंजीगत निवेश पर विशेष जोरः डॉ सुरेंद्र नाथ

साहिबगंज - केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट सबसे अधिक बढ़ोतरी ऊर्जा पर देखी गई है जो अति आवश्यक है. आज भी हमारे यहां उपभोग के एवज में निर्मित ऊर्जा कम है.बजट में बुनियादी ढांचे, डिजिटल अर्थव्यवस्था पूंजीगत निवेश पर विशेष जोर दिया गया है. जिसे विकासोन्मुख कदम माना जा रहा है. मध्यम वर्ग को आयकर में राहत तथा किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए नई योजनाओं की घोषणा से सकारात्मक संदेश गया है. उद्योग जगत ने सुधारों और निवेश प्रोत्साहन का स्वागत किया है.

डॉ सुरेंद्र नाथ तिवारी अध्यक्ष कौशल्या ज्योति ट्रस्ट साहिबगंज

निकाय चुनाव : झामुमो ने साहिबगंज की नगर परिषद व नगर पंचायत के तीन प्रत्याशीयो को दिया समर्थन

संताल एक्सप्रेस

साहिबगंज - झारखंड मुक्ति मोर्चा साहिबगंज के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि झामुमो केंद्रीय समिति के निर्देशानुसार साहिबगंज जिला में नगर निकाय चुनाव हेतु साहिबगंज नगर परिषद, राजमहल नगर पंचायत एवं बरहरवा नगर पंचायत में अध्यक्ष पद प्रत्याशी को झामुमो साहिबगंज जिला समिति समर्थन देने की घोषणा की है.उन्होने बताया कि

साहिबगंज नगर परिषद के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान,राजमहल नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी केताबुदीन शेख उर्फ भुट्टो एवं बरहरवा नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी बबीता कुमारी को झामुमो ने अपना समर्थन दिया है.तमाम साहिबगंज जिला के झामुमो नगर कमेटी व प्रखंड कमेटी, राजमहल के नगर व प्रखंड कमेटी, बरहरवा नगर कमेटी व प्रखंड कमेटी सहित पार्टी कार्यकर्ताओं निर्देश दिया जाता है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी के समर्थन प्राप्त प्रत्याशी को जीत दर्ज करवाना सुनिश्चित करें.

माघी पूर्णिमा पर बरहरवा में आस्था का सैलाब

बरहरवा- माघी पूर्णिमा के अवसर पर बरहरवा नगर पंचायत सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिला. अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं ने राजमहल व बरारी गंगा घाट पर परिवार सहित गंगा स्नान के लिए पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-पाठ कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की.मान्यता है कि माघी पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है. इसी विश्वास के साथ श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई.

भक्तों ने निकाली संत रविदास की शोभा यात्रा

साहिबगंज -माघी पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को संत सम्राट शिरोमणि संत रविदास साहिब जी का भव्य शोभा यात्रा नगर के रसुलपुर दहला से सोत रविदास के भक्तों के द्वारा निकाला गया. शोभा यात्रा में महादेवगंज, जिरवाबाडी, रसुलपुर दहला के लोग शामिल हुए.शोभा यात्रा भ्रमण करते हुए कभी आश्रम तक पहुंचा. वहीं कबीर आश्रम में सभी का भव्य स्वागत किया गया. साथ ही लोगो के बीच पेय जल व शरबत का वितरण किया गया.शोभा यात्रा में रविंद्र दास, जमुना दास, शंभू दास, सीताराम दास, चिंकू दास, कैलाश दास, श्याम दास, राजू दास, मनोज दास, बबलू दास, विक्रम दास, अर्चना देवी, कल्पना देवी, पूनम देवी, वीना देवी, करुणा देवी, संध्या देवी ,चांद मुनी देवी ,पिंकी देवी, आशा देवी सहित सैकड़ो महिला, पुरुष व बच्चे शामिल थे.

संत रविदास की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

हिरणपुर (पाकुड़)। संत रविदास की जयंती पर हिरणपुर सरकारी मवेशी हाट परिसर में कार्यक्रम आयोजित हुई। जहां संत की तस्वीर पर पुष्प सुमन अर्पित कर नमन किया गया। सामाजिक समरसता के अग्रदूत संत शिरोमणि की जीवनी उदृत करते हुए समाजसेवी कामेश्वर दास ने कहा कि संत ने सामाजिक बुराइयां व कुरीति को समाप्त करने के लिए अहम भूमिका निभाई थी। जो आज की समाज मे भी अनुकरणीय बनी हुई है। इस अवसर पर विकास रविदास , कामेश्वर दास,जितेंद्र दास , राधेश्याम दास , उज्ज्वल रविदास ,कुन्दन बिकी आदि उपस्थित थे।

राजकीय माघी पूर्णिमा मेले का आगाज उत्तरवाहिनी गंगा के तट पर उमड़ा जनसैलाब

राजमहल साहिबगंज। झारखंड के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक राजकीय माघी पूर्णिमा मेला इस वर्ष भी पूरी भव्यता के साथ शुरू हो गया है. राजमहल की पावन उत्तरवाहिनी गंगा के तट पर आयोजित इस मेले में न केवल झारखंड बल्कि असम, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे पड़ोसी राज्यों से भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु और आदिवासी समुदाय के लोग पहुंच रहे हैं.मेले को संबोधित करते हुए साहिबगंज के डीसी हेमंत सती ने कहा कि राजमहल और साहिबगंज के निवासियों के लिए यह सौभाग्य की बात है कि वे इस पावन मिट्टी पर निवास करते हैं. जहां उत्तरवाहिनी गंगा बहती है. उन्होंने इस स्थान की तुलना प्रयागराज इलाहाबाद के संगम से करते हुए कहा कि राजमहल की उत्तरवाहिनी गंगा का महत्व और पवित्रता किसी भी मायने में कम नहीं है.डीसी हेमंत सती ने विशेष रूप से आदिवासी समुदाय के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि दूर-दराज के प्रदेशों से आने वाले श्रद्धालु यहां गंगा पूजन करते हैं और यहां का पवित्र जल अपने धार्मिक स्थलों जाहेर स्थान पर अर्पण करते हैं. जो हमारी समृद्ध संस्कृति का द्योतक है. मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है.उन्होंने बताया किरात के समय सुनसान और संवेदनशील इलाकों में बाइक पेट्रोलिंग के जरिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया हैं.पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा की निगरानी के लिए 20 विशेष पुलिस पोस्ट स्थापित किए गए है. वाहनों के आवागमन को सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट को प्राथमिकता दी गई है. राजकीय माघी पूर्णिमा मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि यह आदिवासी महाकुंभ के रूप में भी जाना जाता है. यहां विभिन्न राज्यों से आने वाले आदिवासी भाई-बहन अपनी पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ-साथ अपनी कला और संस्कृति का प्रदर्शन भी करते हैं. प्रशासन ने मीडिया बंधुओं का भी आभार व्यक्त किया. जिनके माध्यम से इस ऐतिहासिक मेले की गूंज दूर-दूर तक पहुंच रही है.

खनन टास्क फोर्स समिति की बैठक , जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कड़ी कार्रवाई के निर्देश

संताल एक्सप्रेस पाकुड़। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अवैध कोयला, पत्थर एवं बालू खनन, अवैध भंडारण तथा अवैध खनिज परिवहन की रोकथाम हेतु चल रहे अभियानों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की क्रमवार समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सतत एवं सख्त अभियानात्मक कार्रवाई जारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अवैध खनन के मामलों में जिला प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी, पाकुड़ द्वारा जानकारी दी गई कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 99.01 प्रतिशत खनन राजस्व की वसूली की गई। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्धारित 1770.12 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 31 जनवरी 2026 तक 1712.5 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है, जो लक्ष्य का 96.74 प्रतिशत है। इस पर संतोष व्यक्त करते हुए उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि पत्थर खनिज के क्षेत्र में राजस्व वसूली को और अधिक सुदृढ़ करते हुए लक्ष्य से अधिक समाहरण सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, खनन निरीक्षक एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि अवैध खनन एवं खनिज परिवहन से जुड़े सभी मामलों में अभियान चलाकर प्राथमिकी दर्ज करना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अमड़ापाड़ा एवं महेशपुर क्षेत्र में लगातार विशेष

नगर पंचायत चुनाव : जीत के लिए दिन रात कर रहे जनसंपर्क

संताल एक्सप्रेस बरहरवा - नगर पंचायत आम चुनाव-2026 का शंखनाद होते ही बरहरवा नगर पंचायत क्षेत्र में सियासी माहौल पूरी तरह गर्म हो गया है. अधिसूचना जारी होने के साथ ही संभावित प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ गई है और बाजार, चौक-चौराहों, चाय दुकानों से लेकर सोशल मीडिया तक चुनावी चर्चा जोरों पर है.जनता के बीच विकास, पारदर्शिता और बुनियादी सुविधाओं को लेकर बहस तेज हो गई है. सूत्रों की मानें तो इस बार चुनावी मुकाबला रोचक और कड़ा रहने वाला है. कई मौजूदा प्रतिनिधियों की अपने-अपने वार्डों में मजबूत पकड़ मानी जा रही है.बीते कार्यकाल में कराएं गए विकास कार्य, जनता से सीधा संवाद और संगठनात्मक मजबूती के कारण कुछ प्रतिनिधियों की वापसी आसान मानी जा रही है.ऐसे प्रतिनिधि अपनी उपलब्धियों को जनता के बीच रखकर दोबारा विश्वास जीतने की रणनीति पर काम कर रहे हैं.वहीं दूसरी ओर कुछ प्रतिनिधियों के लिए यह चुनाव आसान नहीं दिख रहा है. स्थानीय समस्याओं के समाधान में कथित लापरवाही, अधूरे विकास कार्य और जनता से दूरी जैसे मुद्दों को लेकर नाराजगी सामने आ रही है. कई वार्डों में मतदाता इस बार बदलाव के मूड में नजर आ रहे हैं और पुराने चेहरों को जवाब देने की बात खुलकर कर रहे हैं.युवाओं और महिलाओं में खासकर स्थानीय सुविधाओं,साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार को लेकर स्पष्ट अपेक्षाएं दिखाई दे रही हैं. इधर नए चेहरे भी मैदान में उतरने की तैयारी में हैं. कुछ सामाजिक कार्यकर्ता और युवा प्रत्याशी जनता के बीच बदलाव और नई सोच के साथ उतरने का दावा कर रहे हैं.उनका कहना है कि नगर पंचायत को विकास की नई दिशा देने के लिए ईमानदार और सक्रिय नेतृत्व की जरूरत है.कुल मिलाकर नगर पंचायत चुनाव का शंखनाद होते ही राजनीतिक बाजार पूरी तरह गर्म हो चुका है. आने वाले दिनों में नामांकन, प्रचार और जनसंपर्क के साथ ही चुनावी माहौल और भी तेज होने की संभावना है. जनता का मूड इस बार निर्णायक साबित हो सकता है.

दोनों नाबालिग युवती सहित आरोपी की हुई बरामदगी

अमड़ापाड़ा।थाना क्षेत्र की दो लापता नाबालिग युवतियों की सकुशल बरामदगी में पाकुड़ पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पाकुड़ पुलिस के प्रति स्थानीय जनता का आभार ! एक दफा अमड़ापाड़ा सहित पाकुड़ पुलिस ने फिर से जनता के विश्वास को जीता है। हमारी पुलिस सिस्टम ने पुनः यह साबित कर दिखाया है कि मामला चाहे जितना भी उलझा हुआ या संवेदनशील हो यदि शिकायतकर्ता या पीड़ित धैर्य रखे तो समस्या सुलझ ही जाती है। उल्लेखनीय है कि गत 27 जनवरी को थाना क्षेत्र से दो नाबालिग छात्रा अपने एक नाबालिग बॉय फ्रेंड के संग फरार हो गई थीं। शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस ने कांड संख्या = 3/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज किया और तत्पर हुई। लगातार खोज-बीन और टेक्निकल मदद से दो दिनों के दौरान दोनों लड़की सहित लड़के का लोकेसन आंध्रप्रदेश के नेल्लोर जिले में ट्रैक हुआ। वहां की जीआरपी और जिला पुलिस के सहयोग से दोनों को पुलिस अभिरक्षा में रखा गया। फिर यहां से एसआई कवींद्र मिश्रा व पप्पू कुमार सहित एक महिला कांस्टेबल और दोनों बच्ची के अभिभावक नेल्लोर - आंध्रप्रदेश पहुंचे। वहां आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर तीन से चार दिनों के दौरान लड़का सहित दोनों युवतियों को रविवार को अमड़ापाड़ा थाना लाया गया। पुनः यहां से युवतियों को पुलिस अभिरक्षा में सीडब्लूसी अथवा जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु पाकुड़ भेजा गया। जानकारी मिली कि प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत दोनों को उनके अभिभावक अथवा परिजन को सौंप दिया जाएगा।

दिसा़म रे पासेच् 60 प्रतिशत मानसिक रोगी 35 बो़छो़र उमा़र रेनः सो़सो़लहाको

खोबोरिया

नावां दिल्ली। दिसा़म रे पासेच् 60 प्रतिशत मानसिक रोगी नोडका मेनाक्कोआ, ओ़को़याक् उमा़र दो़ 35 बो़छो़र उमा़र खो़न को़म गेया। यानी मानसिक मुसकिलाक्को नितो़क् को़म उमा़र रे गे जुवा़नकोय चापो़टेत्को काना आर नोआ हालो़त दारायकान सो़मो़य रे आरहों गा़हिर होय दाड़ेयाक्आ। इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी रेयाक् नेशनल कॉन्फ्रेंस रे सामाङ हेच्एन आंकड़ा दो़ चिंता़य बाढ़ाव आकादा। रिपोर्ट लेकाते, जाहां लाहाते मानसिक आजारको रेयाक् लक्षण साधारो़न रे 40 खो़न 50 बो़छो़र उमा़र तायो़म ञेलो़क् कान ताहेंना, नोते नितो़क् औसतन 19 खो़न 20 बो़छो़र उमा़र रे गे नोआ रेयाक् संकेत सामाङ हिजुक् लागाक् काना। एंजायटी, डिप्रेशन, नाशा सांव जोड़ाव दिका़त आर बिहेवियरल डिसऑर्डर जुवा़नकोवाक् पाड़हाव, करियर आर निजी जियोन रे गा़हिर असर पाड़ावो़क् काना। सोसोलहाकोको मानावेत् काना जे मानसिक स्वास्थ्य ला़गित् जागरूकता बाढ़ाव ते नितो़क् जा़सती जुवा़नको रानको ला़गित् सामाङको हिजुक् काना, ओ़कादो़ मित् मों़जतेयाक् संकेत काना। चाहे, नोआ सांवते गे नोआ हों सा़री गेया जे मानसिक मुसकिलाक् रेस जा़सती रेस आकाना। सोसोलहाकोको ला़ई केदा जे 60 प्रतिशत रेयाक् नोआ आंकड़ा जाहांटाक् मित् पानाड़हाव रे आधारित बाङ काना, बो़रो़ङ भारतीय आर अंतरराष्ट्रीय खो़दरो़ंदको रेयाक् बिबिछनाउ ते सामाङ हेच् आकाना। बो़छो़र 2021 रे होयेन मित् मारा़ङ मेटा एनालिसिस रे पासेच् 7 लाख हो़ड़ाक् डेटा रेयाक् पानाड़हाव होय लेना, नोआ रे ञामेना जे जा़सतीकाय मानसिक रोग दो़ 25 बो़छो़र उमा़र हाबिच् सामाङ हिजुक् काना। इंस्टिट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड अलाइड साइंसेज रेन पूर्व निदेशक डॉ निमेष देसाई दो़ चेतो़वनाय एम आकादा जे सो़मो़य रे बाङ रानलेन रे मानसिक मुसकिलाक् जियोनभोर हामाल बोझा बानाव दाड़ेयाक्आ। एतोहो़प् ओ़कते रे नोआ आजारको आलगा ते कंट्रोल होय दाड़ेयाक्आ, मेनखान दिरीक् रे नोआ क्रॉनिक रूप ए हातावेत् काना। मेन केदाको जे 18 खो़न 25 बो़छो़र उमा़र रेन जुवा़नको का़हिंसते आकोतेको गुजुक् रेयाक् हों खातरा बाढ़ावक् काना आर कोविड-19 तायो़म का़उडी अनिश्चित दो़ हालो़म आरहोंय बिगा़ड़ेत् काना।

हॉफ मैराथन रे दिसा़मभोर रेन 5800 धावकको उदुक् केदा दो़म

खोबोरिया

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र बीएसएल होते ते हॉफ मैराथन आठवार हिलोक् ओराम एना। मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम रे ओरामेन मैराथन रे बोकारो घालो़क् दिसा़म रेयाक् आयमा पो़नो़त खो़नको हेच्एन 5800 धावक दो़ सेलेत् काते आकोवाक् फिटनेस आर जज्बाको उदुक् सो़दो़र केदा। सेलेत्एनको रे 1229 गो़टेच् मायजिव आर 4571 गो़टेच् दा़क्दा़ड़को कोड़ा हो़ड़को सेलेत् एना। मैराथन दो़ 21 किलोमीटर हॉफ मैराथन, 10 किलोमीटर आर मोड़ें किलोमीटर रेयाक् श्रेणि रे मायजिव आर कोड़ा हो़ड़ ला़गित् ओराम एना। नोआ सांवते गे लेढाको ला़गित् बार किलोमीटर रेयाक् खास दा़ड़ ओराम काते का़मीहो़रा दो़ उसकुरानाक्को बानाव केदा। लेढाको दा़क्दा़ड़कोवाक् निजबिसवा़स आर कुसी जो़तो़को ला़गित् उसकुरानाक् बानावेना। का़मीहो़रा दो़ बोकारो स्टील स्लांट रेन डायरेक्टर इंचार्ज प्रिय रंजन दो़ हा़रियाड़ झांडीय तुलात् तेय एतोहो़प् केदा। नोआ ओ़पसो़र रे संयंत्र रेन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स डीआईजी एम मित्तल घालो़क् आयमा गा़खुड़ अधिकारी आर लेकमान पेड़ाकोको सेलेत् एना। मैराथन मों़ज ते बानाव ला़गित् फयलाव तेको बेबो़सता लेदा। पुरा़उ हो़र रे ञुईदाक् एनर्जी ड्रिंक आर रिफ्रेशमेंट, ए बुलेंस चिकित्सक दो़ल, सुरक्षा बल आर स्वयंसेवको तो़यनात लेत्कोआ। दा़ड़ ओ़कते प्रतिभागीको रे रा़सका गे ञेल एना। दा़ड़ पुरा़उको जो़तो़ सेलेत्एनको दो़ मेडल आर पोरमान साकामको एमात्कोआ आर आयमा श्रेणी रेन जितका़रको डायरेक्टर इंचार्ज सेच् खो़नको मानो़त केत्कोआ।

बो़छो़र रे 6 प्रतिशत हिसा़ब ते ढेरो़क् काना ब्रेस्ट कैंसर रेयाक् मामला

खोबोरिया

नावां दिल्ली। ब्रेस्ट कैंसर मामला दो़ भारत रे मित् घा़ड़िच् ते ढेरो़क् काना आर नोआ आजार दो़ एकेन उमा़रान हो़ड़को मो़तो़ दो़ बाङ बिचको़म जुवा़न मायजीवको हों ञामेत्कोआ। आईसीएमआर आर एटाक् शोध संस्थानकोवाक् स्टडी रे नोआ हाहाड़ावानाक् काथा सो़दो़रेना जे बो़दो़लो़क्कान जियोन रे मो़ज ते बाबो़न जा़पित्एत् खा़तिर ते होयोक् काना आर ढेर मानसिक टेंशन खा़तिर ते गा़हिर आजार रेयाक् आसो़ल ओ़जे बेनाक् काना। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्चआक् डेटा लेका ते भारत रे ब्रेस्ट कैंसर मामला रे बो़छो़र रे मोटामुटी 6 प्रतिशत हिसा़ब ते ढेरो़क् काना। पाहिल दो़ नोआ आजार दो़ आसो़काय ते 50 बो़छो़र उमा़र रे ञामेत्को ताहेंना, मेनखान नित दो़ 35 खो़न 50 बो़छो़र उमा़र रेन मायजीवको दो़ जो़तो़ खो़न ढेरेको चापो़टक् काना। नोअ रेयाक् ओ़जे दो़ बिला़म ते बापलाव, दिदरा़ बाको दुदुवाको ते आर हो़ड़मो़ एक्टीविटीज को़म गे होयोक्खान नोआ ते ढेरो़क् रेयाक्

आसो़ल ओ़जे बेनाव काना। को़म गे जा़पित् होयोक्कान खा़तिर ते आर ब्रेस्ट कैंसर ताला रे गा़हिर जोड़ाव मेनाक्आ। स्टडी ते नोआ बाडायेना जे को़म गे बोन जा़पित्एत्कान ते मेलाटोनिन हार्मोनाक् ता़री का़मो़क् काना, नोआ ते एस्ट्रोजन हार्मेन अनबाईलैंसो़क् काना। जा़पित् ओ़कते हो़ड़मो़ दो़ आयाक् सेल्स आर डीएनए जिरा़वे ञामेत् काना। मेनखान को़म गे बोन जा़पित्एत् खा़तिर ते निपुट रे एसेर पाड़ाक् काना। मेनोपॉज तायो़म हो़ड़मो़ रे पेरेजो़क् फैट एस्ट्रोजनाक् आसो़ल स्रोत बेनाक् काना। ढेर स्ट्रोजन ताहेंन ते ब्रेस्ट सेल्स रे कैंसर रे बेनावेत् काना। डॉक्टराक् मेमेन दो़ नोआ काना जे एकेन मैमोग्राफी रे डिपेंड ताहेंन काना जे नोआ दो़ ढेर गेया से बाङ।

रोहित शेट्टीयाक् ओड़ाक् रे फायरिंग तायो़म लॉरेंस बिश्नोई गैंग दो़को धामकाव केदेया दोसार धाव कोड़ाम रे गोली चालाव दाड़ेयाक्आ

खोबोरिया

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टीयाक् ओड़ाक् रे हा़ली रे गे फयरिंग रेयाक् घो़टना होय लेना, नोआ दो़ लॉरेंस बिश्नोई गैंगाक् का़मी काना। सोशल मीडिया रेय पोस्ट आकादा जे गैंग दो़ नोआ फयरिंग रेयाक् जिमा़बा़रीको गो़क् केदा आर अलर्टको एमादेया जे जुदी ओनकोवाक् काथा बाय मानाव-बाताल लेखान आबार धाव रूम रे चालाव कातेत् कोड़ाम रेको ठु दाड़ेवाया। पोस्ट रे नोआ हों़को ओ़लाकादा जे नोआ दो़ पुरा़ इंडस्ट्री ला़गित् ते अलर्ट काना। सोशल मीडिया पोस्ट रे गैंग रेन सदस्यको मुद रे शुभम लोनकर, आरजू बिश्नोई, हरी बॉक्सर आर हरमन संधू ताकोको मेन केदा जे उनी आयमा धाव ते रोहित शेट्टी अलर्टको एम आकादे ताहेंना जे ओनकोवाक्

का़मी रे बाय एंडाक्को, मेनखान उनी दो़ बाय आंजो़म लेदा। पोस्ट रेको ओ़ल आकादा। उनी दो़ नोआ का़टिच् माछा टेलरको उदुक् आदोया। जुदी दारायकान दिर रे आलेयाक् काथा बाय बुझा़उ लेखान नित ओड़ाक् खो़न बाहरे रे दो़ बाङ बिचको़म बेडरूम रे बो़लो़ कातेत् ले ठुयेया। नुयाक् कोड़ाम रे आर दारायकान दिन रे पुरा़ बॉलीवुड रेन अलर्टको एम आकात्कोआ। हामला तायो़म रोहित शेट्टी दो़ दारायकान बार दिन ला़गित् ते आयाक् जो़तो़ पब्लिक आर निजी का़मीहो़राये ठेलाव केदा। उनी दो़ आच् रेन गातेको आर पेड़ाको दो़ ओड़ाक् ते बाको हिजुक् ला़गित् तेय मेतावात्कोआ। मुंबई पुलिस सांवते मिला़उ कातेत् ओनको दो़ जाँच रे एक्टिव रूप तेको गो़ड़ो़वाय काना आर आयाक् ला़लिसे ओ़ल राकाप् आचोयेत् काना। ओड़ाक् रे सुरक्षा हों़को ढेर केदा।

पटना रे बारया आलाग-आलाग सो़ड़ो़क घो़टना रेको गो़च् एना 09 हो़ड़

खोबोरिया

पटना। बिहार रे पटना जिला रेयाक् बिहटा आर मोकामा रे सो़ड़ो़क घो़टना रे 09 हो़ड़ सिंगेमाहां हिलोक्को गो़च् एना। पा़हिल घो़टना दो़ ञुहुममाहां आर सिंगेमाहां हिलोक् ञिन्दा़ 02 बजे बिहटा रे होय एना। बिहटा रेयाक् कोइलवर पुल रे ञिन्दा़ मोटामुटी 2 बजे मित्टेन ट्रेन दो़ ऑटो रे देच् आकान ताहेंन 08 हो़ड़े ठो़को़र केत्कोआ। नोआ रे मो़ड़ें हो़ड़ दो़ घो़टना जायगा रे गेको गो़च् एना, आर से नो़ते मित्टेन हो़ड़ दो़ रान-मुरगा़न ओ़कते गेय गो़च् एना। पुलिसाक् ला़ई लेकाते, ऑटो रे देच् आकान हो़ड़ दो़ जाहांन का़मीहो़रा खो़नको रूवा़ड़ो़क्कान ताहेंकाना। कोइलवर पुल रे सामाङ सेच् खो़न आ़ड़ी ता़पिस रे हिजुक्कान ताहेंन ट्रक दो़ ऑटोय ठो़को़र केदा। नुना़क् मुरूके ठो़को़र केदा जे ऑटो दो़ पुरा़उ ते बा़ड़िच्

उता़रेना। का़उमा़उ आंजो़म ते हो़रतेन हो़ड़को तेंगोयेना आर पुलिसको खो़बो़रात्कोआ। पुलिस ओ़न्डेको सेटेरो़क् खो़न लाहा रे गे ट्रक ड्राइवर दो़य दा़ड़ता़प् ठीक आकात् ताहेंकाना। गो़च्एन हो़ड़ाक् पाछनाव दो़ भोजपुर रेयाक् आरा रेयाक् चिक टोला रेन गिरा़बा़सी गुड्डु कुमार (33), मो इ तयाज उर्फ बुलेट (30), मो सहजाद (22), दौलतपुर, दौलतपुर रेन गिरा़बा़सी मो शहजाद रेन पे बो़छो़र रेन कुड़ी गिदरा़ शफ्ना आर डेढ़ बो़छो़र रेन कोड़ा गिदरा़ मो अस्फी रूप रे होय आकाना। आर से नो़ते मित्टेन दो़ रान-मुरगा़न ओ़कते गेय गो़च् एना। ऑटो रे देच् आकान ताहेंन जो़तो़ हो़ड़ आपनार घारो़ंज रेन गेको लायेत्कोआ। जो़तो़ गे मनेर दरगाह खो़न उर्स मेला ञेल काते सिंगेमाहां हिलोक् सेताक् ओड़ाक् आरा तेको रूवा़ड़ो़क्कान ताहेंकाना। डाहार रे लेखन टोला सोर आरा सेच् खो़न हिजुक्कान ताहेंन बेलगाम ट्रक दो़ ऑटो आ़ड़ी मुरूके ठो़को़र केदा। दोसार घो़टना दो़ मोकामा रेयाक् काना। माघ पूर्णिमा ओ़पसो़र रे गंगा डा़बरा़क् ला़गित् मोकामा तेको चालाक्कान ताहेंन भो़कतो़वाक् जुगाड़ गा़ड़ी सिंगेमाहां हिलोक् सेताक् पायाड़ ठो़को़रेना। मोकामा-सरमेरा राष्ट्रीय राजमार्ग संया-33 रे करकाइन आतो सोर रे आ़ड़ी ता़पिस रे ताहेंकान ट्रक दो़ तायो़म सेच् खो़न जुगाड़ गा़डीय ठो़को़र केदा। नोआ घो़टना रे पे हो़ड़को गो़च् एना, आरमित्टेन दो़ आ़ड़ी काजाके जो़खो़मेना। गो़च्एन हो़ड़ रे शेखपुरा जिला रेयाक् मेहुस थाना टोठा रेयाक् लोदीपुर रेन गिरा़बा़सी मुन्नी मांझी (35), आपात प्रयाग मांझी आर महेश मांझी (36), आर आपात चांद मांझी दो़ ओ़न्डे गेय गो़च् एना। संतय मांझी (40), आपात रामस्वरूप मांझी दो़ पटना रे मेनाक् पीएमएसीएच रे रान-मुरगा़न ओ़कतेय गो़च् एना। घो़टना रे अशोक मांझी, आपात लच्चो मांझी आर धनश्याम मांझी, आपात बच्चू मांझी दो़ आ़ड़ी काजाके घा़ल एना, नोकोवाक् रान-मुरगा़न दो़ तोंगे गेया।

हिंजला मेला 2026 बाखरा आतो हो़ड़ाक् कुल्ही दुड़ुप्, ओ़लचिकी लिपि आर मूल आ़रीहोरा जोगाव दो़हो़य रेयाक् खो़ज

खोबोरिया

दुमका। पो़नो़तिया़ जनजातीय हिंजला़ मेला पो़रो़ब 2026 रेयाक् साप्-सापड़ाव बाबो़त रे हिंजला आतो रे मांझी बाबा इमानुवेल हांसदावाक् आ़युर रे कुल्ही दुड़ुप्को होय ओचो केदा। दुपुड़ुप् रे आतो हो़ड़ दो़ मेला ओराम बाबो़त रे जुदा-जुदा़ खो़ज बाबो़त रेको गालमाराव केदा आर माड़ाङ रेन उपायुक्त सांव अध्यक्ष आर अनुमंडल पदाधिकारी सांवते सचिव, हिंजला मेला समिति जिमा़वाकादे दारखास बाबो़त रेको गालमाराव केदा। आतो हो़ड़को दो़हो़ लेदा नोवाको खो़जः मेला सांव जोड़ाव जो़तो़ बैनर, पोस्टर, स्मारिका, नेवता साकाम एमान दो़ संताली पा़रसी रेयाक् ओ़लचिकी लिपि ते हों ओ़ल आर छापा ओचोयमा। मेला रे लागाक्आक् कृषि प्रदर्शनी, आ़रीचा़ली तेयाक् प्रदर्शनी आर आदिवासी संग्राहालय (यूजियम) रे उदुग जिनिसको रे ओ़लो़क्आक् जुतुम/खो़बो़र दो़ आसो़काय ते संताली ओ़लचिकी लिपि ते हों ओ़लमा। मेला छाटका रे मेनाक् जो़तो़ कला मंच रेयाक् ञुतुम आसो़काते संताली ओ़लचिकी लिपि ते हों ओ़लमा। मेला छाटका आर सो़नो़त जायगा दिसोम माराङ बुरू थान रे एटाक् धो़रो़म रेयाक् फोटो, बैनर, प्रचार जिनिस आर से दुकान एमान लागाव रेयाक् मुंजुरी बाङ एमावाकोमा, जेमो़न सोमाज रेयाक् मा़न आलो कांड़गोक्। नोआ मेला दो़ संताल सोमाज रेयाक् धो़रो़म तेयाक् आ़रीहोरा आर आ़रीचा़ली रे टेहाड मेनाक्आ। मानो़तान दुमका विधायक बसंत

सोरेन खो़न लाहा रे मेला छाटका रे नावां बेनावाकान दिसोम माराङ बुरु थान रेयाक् चिता़र दो़ जो़तो़ होडिंग, बैनर रे उदुगमा। हिंजला़ मेला समिति रे हिंजला आतो रेन जयदेव हांसदा, दिलीप सोरेन, रूबिलाल हांसदा, एमेल मरांडी, बुद्दीलाल मरांडी, लाल हांसदा, देवी सोरेन ताको सेलेत्कोमा। हिंजला़ आतो रेयाक् मांझीथान आर जाहेरथान नापाय ते साजाव आर जावदिन ला़गित् घेराव आ़चुरमा आर मेला ओ़कते नोवाको जायगा रे मारसाल रोक् बेबो़सतायमा। हिंजला़ रे मेनाक् पेया सोलर जल मीनार दो़ उसा़रा ते चा़लुयमा, ओका दो़ आयमा चान्दो खो़न बा़ड़िच् गे मेनाक्आ। हिजला आतो भितरी रे बा़ड़िच् आकान चापाकोलको चा़लुयमा, ओका दो़ आयमा चान्दो खो़न बा़ड़िच गेया। नोआ सांव-सांवते मेला ताला रे बार सो़मो़य ला़गित् नल दाक् एमाको, मेला रेयाक् आसो़ल बो़लो़न दुवा़र रे ओ़लचिकी लिपि ते ओ़ल, आतो रेयाक् मिमित् बिजली खुन्टी रे भेपर लाइट लागाव, पूजा़ जायगा दिसोम मारांग बुरु थान ठेन मेनाक् दाक् टंकी रे मेड़हेत् रेयाक् नल लागाव काते उसा़रा चा़लुय, दिन कालो़म रेयाक् मांझी ओड़ाक् बेनाव रेयाक् बेरहो़न आर हिंजला आतो रेन स्वयं सेवकको़वाक् बकाया पायसा एमावाको रेयाक् खो़जको दो़हो़ आकादा। मांझी बाबा दो़ आतो हो़ड़े लायात्कोआ जे अनुमंडल पदाधिकारी सांव सचिव दो़ हिजला मेला समितियाक् नोवाको खो़ज रे का़मीय रेयाक् आसे एम आकात्कोआ। दुपुड़ुप् रे आतो हो़ड़ दो़ नोआ हों़को खो़जेत्कान ताहेंकाना जे मेला छाटका रे आसो़कायते साफा-साफीय रे धियान एमावाक्, मेला तायो़म तुरंत गे मेला छाटका साफाय चेदाक् जे पोलीथिन एमान जो़म काते मालजालको रूवा़क् सेको गो़जो़क् काना आर खेत् रे पासनाक्कान ते खेत हों बा़ड़िजो़क् काना। नोआ दुपुड़ुप् रे दिलीप सोरेन, एमेल मरांडी, जयगणेश हांसदा, रूबिलाल हांसदा, बुद्धिलाल मरांडी, लाल हांसदा, विनय हांसदा, सोम हांसदा, प्रदीप हांसदा, विनोद हांसदा, नरेश सोरेन, सनत हांसदा, मनोज हेमब्रम एमान आयमा लेखा रे आतो हो़ड़को सेटेरकान ताहेंकाना।

खूंटी जिला परिवहन कार्यालयए ञाम केदा गुड समरीटन अवार्ड

खोबोरिया

खूंटी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह होते होटल बीएनआर रे शनिवार हिलोक् ओरामेन सड़क सुरक्षा सेमिनार ओ़कते जिला परिवहन कार्यालय पुरा़उ पो़नो़त रे मों़ज का़मीय ला़गित्को मानो़त केत्कोआ। परिवहन मंत्री दीपक बीरूआ दो़ गुड समरीटन अवार्ड एमात्कोआ, नोआ रे खूंटी जिला़ दो़ पो़नो़त भोर रेयाक् दोसार ठा़वे हामेट केदा। सांवते गे सड़क सुरक्षा माह ओ़कते प्रभावी जागरूकता का़मीहो़राको मों़ज ते ओराम ला़गित् प्रशस्ति पत्र आर मोमेंटों हों़को एमात्कोआ। नोआ स मान जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटरयान

निरीक्षक आर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक दो़य हामेट केदा। विभाग सेच् खो़न आठवार जारी प्रेस विज्ञप्ति रेय ला़ई केदा जे सड़क सुरक्षा माह ओ़कते जिला परिवहन कार्यालय ककी सेच् खो़न फयलाव ते जन जागरूकता अभियानको चालाव केदा। नुक्कड़ नाटो़क, पैंफ्लेट हा़टिञ आर मोटर गा़ड़ी अधिनियम, मुआवजा प्रावधान आर गुड़ समरीटन का़नून रे खास जानकारी काथाको ला़यात्कोआ। पुरा़उ चान्दो गा़डी जांच अभियान, पुष्प अभियान, हॉकी मैच, सदर अस्पताल रे निशुल्क स्वास्थ्य जांच, सड़क सुरक्षा प्रतिज्ञा, सुहीय आर सेल्फी अभियान आर रन फॉर रोड सेफ्टी लेकान का़मीहो़राको होतेते हो़ड़को यातायात निया़मको पालो़न ला़गित्को उसकुर केत्कोआ आर हेलमेट हों़को एमात्कोआ।

चाकुलिया रे हवाई पट्टी सोर रे बुढ़ी हो़ड़ाक् मांड़ीं ञामेना

पूर्वी सिंहभूम। जिला रेयाक् चाकुलिया थाना टोठा रे आठवार हिलोक्सेताक् हवाई पट्टी सोर रे मित् आ़ना़ड़ी बुढ़ी हो़ड़ाक् मां़ड़ींञामेन रे इलाका रे चांवमाराव एना। बुढ़ी मायजिव चेकातेय गो़च्एनाकारो़न दो़ बाङ पुसटा़उ आकाना, चाहे दो़ हा़तीयाक् हामला तेयगो़च्एनको सो़ंदहो़येत् काना। टोठरिया़ आतोहो़ड़ दो़ पुलिसठेनको ला़ई केदा। इना़ तायो़म थाना प्रभारी संतोष कुमार पुलिस बलसांवते ताक रेय सेटेरेना आर मांड़ीं काबजा काते जांचको एहो़प्केदा। पुलिस दो़ इना़ सोर रेन हो़ड़को कुलीयेत्कोआ, जेमो़न गो़च्मायजिवको ठिका़न दाड़ेयाय आर ठिका़ना बाडाय दाड़ेयाक्। मांड़ींसोर रे नील रो़ंङ मित्टेन बैग हों़को ञाम आकादा, नोआ आधार रे मायजिव ठिका़नेको कुरूमुटूयेत् काना। निहा़ली मायजिव दो़ बायपाछनाव आकाना। पुलिसाक् मेन काना जे मामला दो़ जांच होयोक् काना।मांड़ीं दो़ पोस्टमार्टम ला़गित् कोल आकाना आर पोस्टमार्टम रिपोर्ट हिजुक् तायो़म गे गुजुक् रेयाक् सा़रीयाक् कारो़न बाडाय दाड़ेयाक्आ।

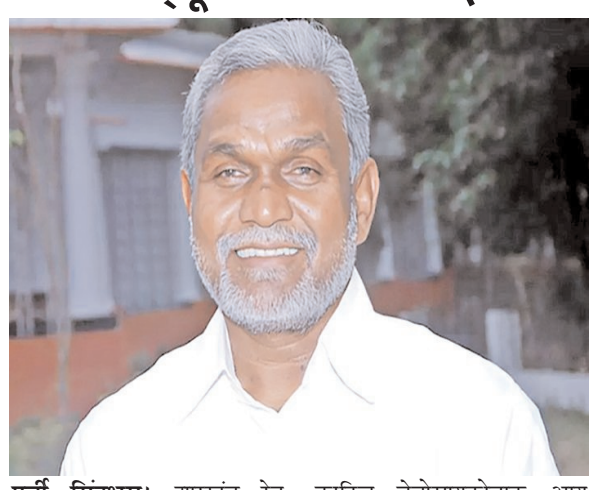

विकसित भारत रेयाक् पोंथा रे केंद्र सरकाराक् दूरदर्शी बजट : चंपई सोरेन

पूर्वी सिंहभूम। झारखंड रेन माड़ाङरेन सिरा़मंत्री चंपई सोरेन दो़ केंद्र रेन मोदी सरकार होतेते पेश सो़दो़र बजट दो़ विकसित भारत बेनाव पोंथा रे मित् दूरदर्शी आर समावेशी रोडमैपए ला़ई आकादा। उनी दो़ आठवार हिलोक् आयाक् एक्स पोस्ट होतेतेय मेन केदा जे नोआ बजट दो़ सर्वांगीण विकास धेयान रे दो़हो़य तुलुच् रेंगेच्को, का़मिया़को, चा़सीको, पाठवा़को आर हो़ड़कोवाक् जियोन ता़री बेसते बेनाव रे केंद्रित मेनाक्आ। बजट रेयाक् आसो़ल मो़तलो़ब दो़ हो़ड़कोवाक् दाड़ेको सो़दो़र, मिमित् घारो़ंज ला़गित् आय रेयाक् नावां ओ़पसो़र सिरजा़उ आर दिसा़म रेयाक् का़उडी लाहान्ती दो़र उसा़राय काना। चंपई सोरेन लेकाते बजट रे चासो़क् आर आतोटोला का़उडीबेबो़सता केटेज रे खास जो़र एम आकावादा। काजू, अखरोट, बादाम, नारिया़ल, कॉफी आर हाको आ़सुल लेकानाक् क्षेत्र बाढाव एमावाक् ते चा़सीको आर का़टिच् बेबो़सायकोवाक् आय बाढ़ाव रेयाक् योजना दो़ सारहावानाक् गेया। खादी, हथकरघा आर तीते बेनावाक् सांव जोड़ावाकान का़रीगोलको ला़गित् प्रावधावको ते बुनकरको आर शिल्पकारकोवाक् जियोन रे कुसी हिजुक् आस मेनाक्आ। उनीय मेन केदा जे टेक्सटाइल पार्कको होतेते 'मेक इन इंडिया' दो़ केटेजो़क्आ आर रोजगार रेयाक् नावांनाक् ओ़पसो़र जानामो़क्आ। निपुट ठा़व रे जिला हासपातालको रेयाक् उन्नयन, नावां ट्रामा सेंटर आर आयुर्वेद रे नावां ए स रेयाक् एतोहो़ब ते बेसता़र रान सुबिताको ञामो़क्आ। सेमीकंडक्टर, बायोफार्मा आर मेडिकल उपकरण जिनिसको हो़ड़को ला़गित् आलगावाकान ला़ई आकाना। चंपई सोरेन दो़ माराङमंत्री नरेंद्र मोदीयाक् आ़युर रे नोआ बजट ला़गित् वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बोगेआसे एमावादेया।

पोन माहांकिया़ आदिवासी महाकुंभ होयेना 2 करोड़ पा़तिया़वानकोको सेटेरेना

मुलुग। तेलंगाना रेयाक् मुलुग जिला़ रे एशिया रेयाक् आ़डी माराङ आदिवासी महाकुंभ होय एना। कुंभ ओ़कते पासेच् 2 करोड़ पा़तिया़वानकोको सेटेरेना। बाडायाकान लेकाते मुलुग जिला़ रेयाक् मेदाराम क्षेत्र रे ज पन्ना वागु गाडा आ़ड़ी रे एशिया रेयाक् आ़डी माराङ पोन माहांकिया़ आदिवासी महाकुंभ जापारवाक् दो़ शनिवार हिलोक् होय एना। आदिवासी महाकुंभ रेयाक् खास काथा नोआ काना जे नोण्डे बाङ दो़ मुंदिल मेनाक्आ आर बाङ दो़ जाहांन मुरती गेको बानाव बा़यसा़उ आकादा। नोण्डे एकेन प्रकृति आर बिरको पुजा़वात् काना। नोआ धो़रो़मतेयाक् ओराम रे सेलेदो़क् आयमा पो़नो़त खो़न हो़ड़को सेटेर लेना। नोआ दो़ प्रयागराज कुंभ तायो़म दिसा़म रेयाक् आ़डी माराङ दोसाराक् धो़रो़मतेयाक् जापारवाक् समागम कानाको ला़येत् काना। नोआ रेयाक् इतिहास बाबो़त रेको ला़येत् काना जे नोआ दो़ 12वीं सदी रे एतोहो़प् लेना आर नोआ दो़ जाव दोसार बो़छो़र रे ओरामो़क् काना। निया़ धाव पोन दिन चालाक् ओरामेन रे पासेच् 2 करोड़ पा़तिया़वानकोको सेलेत् एना आर धो़रो़म लाभको आताङ आकादा।

ईशान दो़ मुचा़त् टी 20 रे विकेटकीपर बेनाव रेयाक् ओ़जेये सूर्यकुमारे ला़ई केदा

खोबोरिया

तिरूवनंतपुरम। भारतीय क्रिकेट टीम रेन कप्तान सूर्यकुमार यादव दो़ न्यूजीलैंड बिरूद मुचा़त् टी 20 मैच रे ईशान किशन विकेटकीपिंग आचोये रेयाक् ओ़जेय ला़ई केदा। सूर्या दो़य ला़ई केदा जे सीरीज एहो़प् खो़न माड़ाङ रे गोटावाकात् ताहेंना जे संजू दो़ पा़हिल 3 मैच रेय विकेट कीपर रे ताहेंना, नो़ते बारया मैच रे दो़ ईशान किशनको एमावाया। सूर्या दो़य मेन केदा जे तितक वर्मा बा़नुय ते संजू सैमसन आर ईशान ताकिनको सेलेत् आकात्किना। इञ दो़ सीरीज खो़न लाहा रे गेञ गो़टावाकात् ताहेंना जे संजू दो़ 3 मैच रेय विकेटकीपर रे ताहेंना आर ईशान दो़ मुचा़त् बारया मैच रेयाक् जिमा़बा़रीय सांबड़ावा। ईशान दो़ फिट बा़नुय ते पारोमेन मैच खो़ने बाहरेवाकान ताहेंकाना। ईशानाक् शतकीय पारी रे ला़गित् ते सूर्या दो़ सारहावे तुलुच्ए मेन केदा जे टीम उनीयाक् कौशल बाबो़त रे पा़हिल खो़न गेय बाडाय कान ताहेंना। भारतीय कपतान दो़य मेन केदा जे इञ दो़ जाव गेञ बाडाय कान ताहेंना जे उनी दो़ चेत्ए चेका दाड़ेयाक्आ। इञ खो़जो़क्कान ताहेंना जे उनी दो़ ओडका गे बल्लेबाज जेमो़न आर आयाक् ओ़परो़म बाय बो़दो़ल ताय मा। उनी दो़ घरेलू क्रिकेट रे पारीये एहो़प्एत् कान ताहेंना आर उनी दो़ 3 नंबर रेय बल्लेबाजेत्कान ताहेंना। इञ खो़जो़क् काना जे उनी दो़ गेम-चेंजरे बेनाक्मा, उनी दो़ चेत् लेका दाल केदा जे ओना तायो़म इञ दो़ आ़डी रा़सका रे मिना़ञा। ईशान दो़ टीम रे जायगा तिलक वर्मा बाजावेन ओ़जे तेय ञाम लेदा आर उनी दो़ ओ़पसो़र रेयाक् पुरा़ पो़रहो़य हामेट केदा। नोडका रे बाडायो़क् काना जे तिलकाक् टीम रे हेच् रूवा़ड़ो़क् सांवते गे सैमसन दो़ ओडोगो़क् होयोक्ताया। चेदाक्जे कीवी दो़ टीम बिरो़द रे 5 गो़टेच् मैच रे सैमसनमोज ते बाय खिलोड दाड़ेवादा।

अतीत के झरोखे में झामुमो का झारखंड दिवस समारोह

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संघर्षों की विरासत को याद करने का दिन है 2 फरवरी

दुमका में आज झामुमो मना रहा है 47 वां झारखंड दिवस समारोह,शिबू सोरेन अमर रहें का गूंजेगा नारा

दुमका में पार्टी की स्थापना की याद दिलाने के साथ आदिवासी अस्मिता, सांस्कृतिक गौरव और झामुमो के शक्ति प्रदर्शन का प्रतीक है 2 फरवरी की रैली

सुमन सिंह

दुमका। झारखंड मुक्ति मोर्चा आज दुमका में 47 वां झारखंड दिवस समारोह मना रहा है।झारखंड आंदोलन के जमाने से हर साल 2 फरवरी को दुमका में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) का स्थापना दिवस के अवसर पर दिशोम गुरु पद्म भूषण शिबू सोरेन के नेतृत्व में झारखंड दिवस मनाया जाता रहा है।इस अवसर पर दुमका में आदिवासियों की बड़ी रैली निकाली जाती है।यह रैली न सिर्फ दुमका में पार्टी की स्थापना की याद दिलाती है, बल्कि आदिवासी अस्मिता, एकता, सांस्कृतिक गौरव और झामुमो के शक्ति प्रदर्शन का प्रतीक बन चुकी है।

1970 के दशक से दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आह्वान पर दुमका के गांधी मैदान में होने वाली रैली में पूरे संताल परगना के कोने-कोने से हजारों की संख्या में आदिवासी जुटते रहे हैं।यह पहली बार है जब 47 वां झारखंड दिवस समारोह में गुरुजी शिबू सोरेन नहीं रहेंगे।हालांकि 2024 में दुमका गांधी मैदान में आयोजित 45 वें और 2025 में 46 वें झारखंड दिवस समारोह में स्वास्थ्य कारणों से गुरुजी दुमका रैली में शामिल नहीं हो सके थे और उनका संदेश पढ़ कर सुनाया गया था।इस बार पहली बार ऐसा होगा जब अमर हो चुके दिशोम गुरु शिबू सोरेन का रैली में संदेश सुनने को नहीं मिलेगा पर उनका अहसास लोग महसूस करेंगे।

झामुमो की स्थापना 4 फरवरी 1973 को धनबाद में हुई थी।कुछ वर्षों बाद ही 2 फरवरी 1978 को दुमका में झामुमो की जिला कमेटी के गठन के अगले वर्ष से दुमका में झामुमो के स्थापना दिवस पर आदिवासियों की रैली की जो परम्परा शुरू की गई,वह झारखंड अलग राज्य बनने के बाद भी जारी रही।ढोल-नगाड़ा, टमाक और डुगडुगी सहित पारम्परिक वाद्य यंत्रों और परम्परागत अस्त्र-शस्त्र तीर-धनुष से लैस आदिवासी स्त्री-पुरूष हजारों की संख्या में रैली में जुटते रहे हैं।शुरुआती वर्षों में शिबू सोरेन के आह्वान पर संताल परगना के दूर-दराज के गांवों से लोग पैदल ही 2 फरवरी की रैली में शामिल होने के लिए दुमका पहुंचते थे।साल दर साल शिबू सोरेन के नेतृत्व में झामुमो की ताकत बढ़ते गई और 2 फरवरी की रैली विशाल होती गई। 1970 और 1980 के दशक में 2 फरवरी की झामुमो की रैली %जल,जंगल और जमीन बचाओ%, महाजनों द्वारा आदिवासियों के शोषण और आदिवासियों की हड़पी हुई जमीन की वापसी के लिए संताल परगना में चल रहे आंदोलनों पर केंद्रित थी। उस दौर में दुमका में 2 फरवरी की झामुमो की रैली में आदिवासियों का दिकू द्वारा शोषण के खिलाफ नारे लगते थे।

1980 में शिबू सोरेन दुमका लोकसभा क्षेत्र से सांसद निर्वाचित होने के साथ संसदीय राजनीति में प्रवेश कर गए।शिबू सोरेन के नेतृत्व में झारखंड आंदोलन की आवाज सड़क से संसद तक गूंजने लगी।1980 और 1990 के दशक में 2 फरवरी को दुमका में होने वाली झामुमो की रैली अलग झारखंड राज्य की मांग को लेकर उग्र होती चली गई।इसी रैली में झारखंड आंदोलन की दशा और दिशा तय होती थी।2 फरवरी को देर रात कड़ाके की ठंड में सबसे अंत में शिबू सोरेन का भाषण होता था जिसे सुने बिना रैली में जुटे लोग टस से मस नहीं होते थे।गुरुजी के आह्वान का संताल परगना के आदिवासी डुगडुगी बजा कर समर्थन करते थे।

2 फरवरी की रैली में दुमका में गूंजने वाले %कैसे लेंगे झारखंड, लड़कर लेंगे झारखंड% की आवाज दिल्ली तक पहुंची और झारखंड आंदोलन राष्ट्रीय सवाल बन गया।15 नवम्बर 2000 को बिहार से अलग कर झारखंड अलग राज्य अस्तित्व में आया।झारखंड अलग राज्य का सपना पूरा होने के बाद भी 2 फरवरी को झामुमो के स्थापना दिवस पर झारखंड दिवस समारोह मनाने और इस मौके पर बड़ी रैली के आयोजन का सिलसिला जारी रहा।झारखंड बनने से पहले और झारखंड बनने के बाद भी 2 फरवरी की दुमका रैली से झामुमो के राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन होता है। 2 फरवरी को 47 वें झारखंड दिवस समारोह पर हो रही झामुमो की रैली में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संघर्षों की विरासत को आगे बढ़ाने और सोना झारखंड के सपने को पूरा करने का संकल्प लिया जाएगा

स्वामी, प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक अशोक कुमार द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस,धनबाद गोविंदपुर मेन रोड अशोक नगर, केजी आश्रम,गोसाईडीह धनबाद झारखंड से मुद्रित तथा संताल एक्सप्रेस कार्यालय दंगालपाड़ा, हिजला रोड, दुमका (झारखंड)से प्रकाशित, RNI NO. JHABIL/2018/76383, सलाहकार संपादक चंदन मिश्र, प्रबंध संपादक सिद्धार्थ कुमार, स्थानीय संपादक चुण्डा सोरेन सिपाही फोन न. 7367009287, 9771486686